वर्ष : 34 | अंक : 359 | मुंबई, रविवार, 8 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बमबारी का दौर जारी

- मिसाइल और ड्रोन हमलों से दहला तेहरान और मध्यपूर्व
- ईरान का पांच देशों पर भीषण हमला, जॉर्डन वाला अमेरिकी डिफेंस सिस्टम तबाह

एजेंसी | तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन

अमेरिका- इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग में मिसाइल और ड्रोन हमले से लोग दहल गए। शनिवार को ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कुवैत, कतर, बहरीन और सऊदी अरब में अमेरिकी और अन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों जमकर हमला किया। इजरायल ने जवाब में ईरान के कई सरकारी भवनों और सेना के ठिकानों को निशाना बनाया। ईरान की नौसेना ने बयान जारी कर कहा कि ईरानी नौसेना ने इजरायल को निशाना बना कई ड्रोन हमले किए। यूएई में अल मिनहाल एयरबेस और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया। ईरान की सैन्य कार्रवाई को लेकर खाड़ी देशों ने कहा कि ईरान लगातार होटलों, बंदरगाहों और रिफाइनरी को निशाना बना रहा। सऊदी अरब ने बताया कि ईरान ने अमेरिका के प्रिंस सुल्तान एयरबेस और शेबाह ऑयल फिल्ड को निशाना बनाकर हमला किया जिसे नाकाम कर दिया गया। हमले को देख दुबई एयरपोर्ट पर वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया। हमले के चलते एयरपोर्ट पर अफरा-

इजरायली हमले में 41 लेबनानी मरे

पूर्वी लेबनान के पहाड़ों पर इजरायल और हिज्जबुला के बीच चल रही जंग घातक हो चली है। इजरायल के मिसाइल हमले में 41 लेबनानी लोग मारे गए। वहीं 40 लोग घायल हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि हिज्बुल्ला पर इजरायली हमले का शिकार सीमा पर रह रहे स्थानीय लोग हो रहे हैं। इजरायल के हमले में अबतक कुल 200 लोग मारे गए हैं जबकि 800 से अधिक घायल हैं।

'हमारे खिलाफ जो आएगा कुचला जाएगा'

ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड ने शनिवार तड़के इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में सुबह साढ़े चार बजे हमला किया। ईरान ने कहा कि अगर कोई अलगाववादी हमारे खिलाफ अपने क्षेत्र से कोई कार्रवाई करता है तो ईरान उसे कुचल देगा। ईरान ने इराक में भी पैनी नजर रखनी शुरू कर दी है। सूत्रों का कहना है कि ईरान इराक में अपने खुफिया तंत्र के जरिए विरोधियों पर कड़ी कार्रवाई कर सकता है।

ईरान पर आक्रामक हमला बाकी: ट्रंप

अमेरिका ने कहा है कि ईरान पर अभी आक्रामक हमला बाकी है। जंग के बीच ट्रंप प्रशासन ने इजरायल को 15.1 करोड़ डॉलर का हथियार बेचने को मंजूरी दी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक साक्षात्कार में ये बात कही है। उन्होंने कहा कि ईरान पर अभी भीषण बमबारी बाकी है। उन्होंने कहा कि ईरान को निशाना बनाकर लगातार हमले किए जा रहे। अभी कई बड़े हमले बाकी है। ईरान को आत्मसमर्पण करना ही होगा।

बेपटरी हो जाएगी अर्थव्यवस्था

कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल काबी ने चेतावनी देते हुए कहा है कि युद्ध के चलते दुनिया की अर्थव्यवस्था बेपटरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हालात इसी तरह रहे तो कच्चे तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल हो सकती है। उन्होंने कहा कि दो साल में पहली बार कच्चे तेल की कीमत शुक्रवार को 90 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि तेल की बढ़ती कीमतों का प्रभाव पूरी दुनिया पर दिखेगा।

घातक होता युद्ध

- अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने ईरान पर अबतक कुल तीन हजार ठिकानों पर हमला किया है। इस कार्रवाई के दौरान छह अमेरिकी सैनिक शहीद हुए हैं।
- बहरीन की सेना ने ईरान के दो मिसाइल और ड्रोन हमलों को नाकाम किया। अबतक कुल 86 मिसाइल और 148 ड्रोन हमले की कोशिश नाकाम की गई है।
- ईरान ने येरूशलम में शनिवार तड़के मिसाइल से हमला किया। अचानक हमले के देख लोग बंकरों में शरण लेने के लिए भागने को मजबूर हो गए। हिज्बुल्ला ने उत्तरी इजरायल के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को पूरा इलाका खाली करने की चेतावनी दे दी है। कभी भी कार्रवाई शुरू हो सकती है।

2026 में देश के भीतर 308 लोग बने अरबपति

एजेंसी | नई दिल्ली

वर्ष 2026 में भारत में बिलियनेयर यानी अरबपतियों की संख्या 308 पर पहुंच गई है और इसमें पिछले वर्ष के मुकाबले 24 की बढ़ोतरी हुई है। यह मजबूत संपत्त सृजन और लगातार आर्थिक गति को दिखाता है। हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से शनिवार को जारी हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट-2026 इस बढ़ोतरी के साथ अरबपतियों की संख्या के मामले में अमेरिका और चीन के बाद भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

कितनी बढ़ी भारतीय अरबपतियों की संपत्ति?

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में वार्षिक आधार पर 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और इनकी कुल संपत्ति 112.6 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इस वर्ष 199 अरबपतियों की संपत्ति में बढ़ोतरी हुई है, जबकि 109 अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट या कोई बदलाव नहीं हुआ है। कुल अरबपतियों में महिलाओं की सात प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मुंबई में सबसे अधिक अरबपति

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा अरबपतियों के साथ मुंबई देश में शीर्ष शहर बना हुआ है और 95 अरबपति मुंबई से संबंध रखते हैं। हालांकि, मुंबई को पछाड़कर चीन का शेन्झेन शहर एशिया की अरबपति राजधानी बन गया है। यह कुल 133 अरबपति निवास करते हैं। 15 नए अरबपति जोड़कर मुंबई ने न्यूयार्क सिटी (14) और लंदन (नौ) को पीछे छोड़ दिया है।

कल से बजट सत्र का दूसरा चरण

- पहले दिन ही आएगा लोकसभा स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव
- भाजपा-कांग्रेस ने व्हिप जारी किया

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सदन की आगामी कार्यवाही को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस दोनों ने ही अपने लोकसभा सांसदों के लिए 'थ्री-लाइन व्हिप' जारी किया है। इसके तहत सभी सांसदों को 9 से 11 मार्च तक अनिवार्य रूप से सदन में उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। कांग्रेस ने विशेष रूप से अपने सांसदों को सतर्क रहने को कहा है, क्योंकि इन दिनों लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) को उनके पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की प्रबल संभावना है।

लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव और विपक्ष की रणनीति

विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने और विपक्षी नेताओं को बोलने का पर्याप्त अवसर न देने का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने का नोटिस दिया है। इस प्रस्ताव पर विपक्ष के 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस (TMC) के 29 सांसदों ने प्रारंभिक नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए थे, लेकिन सूत्रों के अनुसार पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर वे अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करेंगे और स्पीकर के खिलाफ मतदान करेंगे।

ओम बिरला को हटाने का प्रस्ताव पास होना कठिन

नियमों के अनुसार स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में साधारण बहुमत से पारित होता है। मौजूदा लोकसभा में एनडीए के पास करीब 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है, इसलिए प्रस्ताव पारित होना कठिन है। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान स्पीकर स्वयं सदन की अध्यक्षता नहीं करेंगे, लेकिन उन्हें अपना पक्ष रखने और मतदान करने का अधिकार होगा।

बंगाल में कॉन्फ्रेंस की जगह बदलने पर राष्ट्रपति नाराज

कोलकाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बंगाल में कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर शनिवार को नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- मुझे लगता है बंगाल सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहतीं। ममता बनर्जी मेरी छोटी बहन जैसी हैं। मैं भी बंगाल की बेटी हूं। राष्ट्रपति ने कहा कि नॉर्थ बंगाल दौरे पर न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई राज्य मंत्री उन्हें रिसीव करने आया। मुझे नहीं पता कि ममता मुझसे नाराज हैं या नहीं। वैसे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब ठीक रहें। उन्होंने कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर कहा कि अगर प्रोग्राम बिधाननगर में होता, तो बेहतर होता। वहां काफी जगह है और बहुत से लोग आ सकते थे। लेकिन मुझे नहीं पता कि राज्य प्रशासन ने वहां मीटिंग की इजाजत क्यों नहीं दी। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि ये शर्मानाक है, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

आज दिल थामकर बैठिए...

लगातार दूसरा टी-20 विश्व कप जीतने उतरेगा भारत

एजेंसी | अहमदाबाद

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की वो शांत रात और रोहित शर्मा की नम आंखें आज भी करोड़ों भारतीयों के जेहन में ताजा हैं। लेकिन ठीक 840 दिन बाद, नियति ने भारतीय टीम को उसी मैदान पर इतिहास बदलने का एक सुनहरा मौका दिया है। रविवार को जब सूर्यकुमार यादव की 'यंग ब्रिगेड' न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 विश्व कप के खिताबी मुकाबले में उतरेगी, तो लक्ष्य सिर्फ जीत नहीं बल्कि लगातार दूसरा विश्व कप जीतकर 'ट्रॉफी की हैट्रिक' बनाने वाला दुनिया का पहला देश बनना होगा।

'अहमदाबाद का सरदार' बनाम कीवी आक्रमण

इस महामुकाबले में रोमांच चरम पर है। एक तरफ 'अहमदाबाद का सरदार' जसप्रीत बुमराह है, जिसकी काट ढूंढ़ने में कीवी बल्लेबाज फिन एलन और ग्लेन फिलिप्स संघर्ष कर रहे हैं। दूसरी तरफ, मध्यक्रम में संजू सैमसन की फॉर्म भारत का सबसे बड़ा संबल है। हालांकि, अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म और वरुण चक्रवर्ती की बेअसर होती स्पिन कप्तान सूर्या के लिए चिंता का विषय जरूर है, जिसके चलते कुलदीप यादव की वापसी की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

'अधूरी दास्तां' का एक सुखद अंत!

न्यूजीलैंड की टीम उलटफेर करने में माहिर है, लेकिन भारतीय हौसले सातवें आसमान पर हैं। सूर्या न केवल रोहित की विरासत को आगे बढ़ाना चाहेंगे, बल्कि 19 नवंबर की उस 'अधूरी दास्तां' को एक सुखद अंत देना चाहेंगे। रविवार की शाम सात बजे जब सिक्का उछलेगा, तो पूरा देश उम्मीद करेगा कि अहमदाबाद के इसी मैदान से इस बार आंसू नहीं, बल्कि जीत का जश्न निकले।

-पेज 7 देखें

ब्रीफ न्यूज़

महाराष्ट्र में सूरज दिखा रहा कड़े तेवर!

मुंबई। महाराष्ट्र में गर्मी का असर अब तेजी से बढ़ने लगा है। राज्य के कई हिस्सों में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है और कुछ जगहों पर यह 40 डिग्री के करीब पहुंचने लगा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए राज्य में गर्मी का अलर्ट जारी किया है। खासतौर पर मुंबई, पालघर, ठाणे और रायगढ़ जिलों में गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति को देखते हुए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम एक्सपर्टों के अनुसार अगले दो दिनों में राज्य के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विशेषज्ञ एस।डी। सानप का कहना है कि अगर यही स्थिति बनी रही तो मार्च महीने के अंत तक कई इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार महाराष्ट्र और गुजरात में अगले सात दिनों तक तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है।

धार में अतिक्रमण हटाने गई पुलिस पर पथराव

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में शनिवार (7 मार्च) सुबह अतिक्रमण हटाने गई प्रशासनिक और पुलिस की संयुक्त टीम पर ग्रामीणों ने उग्र हमला कर दिया। धामनोद थाना क्षेत्र के गुजरी स्थित सिरसोदिया गांव में हुई इस घटना में धामनोद थाना प्रभारी (TI) और एक महिला पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। ग्रामीणों के भारी पथराव में तहसीलदार के सरकारी वाहन के शीशे भी चकनाचूर हो गए। विवादित जमीन के तार स्थानीय बीजेपी विधायक से जुड़े होने के कारण मामला और गरमा गया है। शनिवार (7 मार्च) सुबह करीब 10 बजे राजस्व विभाग और पुलिस की टीम न्यायालय के आदेश पर सिरसोदिया गांव में संतोष नामक व्यक्ति का अतिक्रमण हटाने पहुंची थी।

बालेंद्र बनेंगे नेपाल के अगले शाह

- बालेंद्र ने चार बार पीएम रहे ओली को हराया
- नेपाल चुनाव में पारंपरिक दलों को झटका

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता बालेंद्र शाह ने शनिवार को चार बार प्रधानमंत्री रह चुके केपी शर्मा ओली को भारी मतों से हरा दिया। इसके साथ ही आरएसपी देश में अगली सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है। पिछले साल जेन-जी के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद यह पहला आम चुनाव था, जिसमें परिवारवाद को खत्म करने और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन की मांग उठी थी। इन चुनावों में पारंपरिक राजनीतिक दलों को बड़ा झटका लगा है।

बालेंद्र ने भारी मतों से केपी शर्मा ओली को हराया

रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह 'बालेन' ने झापा-5 सीट पर नेपाल की पुरानी पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली को करीब 50 हजार वोटों से हराया। निर्वाचन आयोग के अनुसार 35 साल के बालेन को 68,348 वोट मिले, जबकि 74 साल के ओली को 18,734 वोट मिले। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, 2022 में बनाई गई आरएसपी ने घोषित 78 सीटों में से 62 सीटों पर जीत दर्ज कर ली है।

मुंबई पुलिस के एंटी टेररिज्म सेल के API समेत 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस के एंटी टेररिज्म सेल (एटीसी) से जुड़े चार पुलिसकर्मियों को छापेमारी के दौरान कथित चोरी और वसूली के गंभीर आरोपों के बाद सस्पेंड कर दिया गया। इस मामले में तीन पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार भी किया गया है। इनमें एक एपीआई हैं। पुलिस के अनुसार,आरोपी एपीआई विजय सुतार, सिपाही योगेश खंडके, धनश्री रामचंद्र मोरे और रविंद्र नेमाने आरसीएफ पुलिस स्टेशन के एटीसी से जुड़े थे। इस टीम को इलाके में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश के लिए अभियान चलाने की जिम्मेदारी दी गई थी। आरोप है कि इस कार्रवाई के दौरान एक महिला के घर छापेमारी करते समय इन पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर उनके घर से नकदी और सोने के आभूषण चुरा लिए।

ऐतिहासिक: एक नया विश्व कीर्तिमान किया अपने नाम

लहरों को चीरते हुए 17 किमी तैरे 6 साल के मानस

डीबीडी संवाददाता | उरण/रायगड

आज अरब सागर की लहरें एक छह वर्षीय बालक के अडिग संकल्प के सामने नतमस्तक नजर आईं। उरण के नन्हे तैराक मास्टर मानस जयेश पाटिल ने 17 किलोमीटर की ओपन सी तैराकी को अविश्वसनीय समय में पूरा कर खेल जगत में हलचल मचा दी है। मानस ने न केवल यह दूरी तय की, बल्कि एक नया विश्व कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया। IEA बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के ऑफिशियल ज्यूरी पैनल ने 6 वर्ष की उम्र में मानस जयेश पाटिल को उरण से जेएनपीटी तक के 17 किमी की जल दूरी को 4 घंटे 49 मिनट 50 सेकंड में नया विश्व कीर्तिमान किया अपने नाम पूर्ण कर विश्व रेकॉर्ड बनाने की घोषणा की।

श्रद्धा से संकल्प तक: वह जादुई औरा

इस ऐतिहासिक सफर की शुरुआत किसी सामान्य एथलीट की तरह नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभव की भांति हुई। जब हम वहां पहुंचे, तो उस नन्हे बालक ने पूरी श्रद्धा के साथ हमें साष्टांग प्रणाम किया। तोतली जुबान में बोलने वाले उस छह साल के बच्चे का व्यक्तित्व और उसका औरा इतना प्रभावशाली था कि मन असीम आनंद से भर गया। वह बच्चा शब्दों से ज्यादा अपने गुरु के इशारों की भाषा समझता है। सुबह 7:23 बजे, करीब 1 किलोमीटर पैदल चलने के बाद हम समुद्र में उतरे और मानस ने पानी में छलांग लगाई।

कोच का अटूट विश्वास और ऐतिहासिक परिणाम

इस उपलब्धि के पीछे कोच संतोष पाटिल का मार्गदर्शन पत्थर की लकीर साबित हुआ। संघर्ष के हर क्षण में संतोष पाटिल का चेहरा आत्मविश्वास से भरा था। उनकी सही ट्रेनिंग और मानस के फौलादी इरादों का ही परिणाम था कि दोपहर 12:14 बजे लक्ष्य हासिल कर लिया गया। मानस ने 17 किलोमीटर की यह दूरी कुल 4 घंटे 49 मिनट 50 सेकंड में पूर्ण की।

लहरों से भीषण द्वंद्व और अजेय जिजीविषा

सफर की शुरुआत ही अग्नि-परीक्षा से हुई। पहले 45 मिनट तक समुद्र ने इस नन्हे बालक को जमकर आजमाया। तेज हवाएं और लहरों का विपरीत बहाव मानस को बार-बार पीछे धकेल रहा था। शुरुआत में एक ज्यूरी मेंबर के तौर पर मैं भी सोच रहा था कि पांच घंटे बोट पर बैठकर हम क्या करेंगे, लेकिन उस नन्हे बालक की जिजीविषा देखकर हम सबकी आत्मा तृप्त हो गई। वह अपने नन्हे हाथों को पूरी ताकत से पानी पर मारता और आगे बढ़ने की कोशिश करता, पर तेज हवा उसे पीछे धकेल देती। वह गजब का संघर्ष था। धीरे-धीरे ऐसा प्रतीत होने लगा जैसे समंदर ने बालक के साहस को स्वीकार कर लिया है और उसे रास्ता दे दिया है।

अंतिम क्षणों का रोमांच और विजय

लक्ष्य के करीब पहुंचते ही समुद्र ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया और मानस को किनारे पहुंचने से रोकने के लिए जमकर ललकारा। लहरें उसे पीछे धकेल रही थीं और नाव पर बैठे हम सब डर रहे थे कि आगे क्या होगा। लेकिन वह नन्हा जांबाज हवा और लहरों को चीरता हुआ समंदर जीत आया।

विश्व रिकॉर्ड की पुष्टि

इस पूरे प्रयास की निगरानी IEA बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के ऑफिशियल ज्यूरी पैनल द्वारा की गई, जिसमें डॉ. संदीप सिंह (CEO), हेमंत श्रृंगी और मैं शामिल रहा। ज्यूरी ने इस पल-पल के संघर्ष को अपनी डायरी में दर्ज किया। 6 साल की उम्र में 17 किलोमीटर की यह तैराकी एक असाधारण वैश्विक कीर्तिमान है। मानस ने आज साबित कर दिया कि यदि मार्गदर्शन सही हो और इरादे मजबूत, तो उम्र कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकती।

मुंबई-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में अब होंगे 20 कोच

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई से गुजरात जाने वाले यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे ने बड़ी राहत दी है। मुंबई सेंट्रल से अहमदाबाद के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच की संख्या बढ़ाकर 20 करने का फैसला लिया गया है। अभी इस ट्रेन में 16 कोच हैं, जिनमें चार नए एसी कोच जोड़े जाएंगे। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, जिससे अधिक लोगों को इस सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन में यात्रा करने का मौका मिलेगा।

रेलवे की आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह व्यवस्था फिलहाल अस्थायी तौर पर लागू की जाएगी। 9 मार्च 2026 से 31 मार्च 2026 तक इस ट्रेन में अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। पीक सीजन में इस ट्रेन की मांग काफी अधिक रहती है, इसलिए भीड़ कम करने और यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

2024 में शुरू हुई थी यह वंदे भारत सेवा

मुंबई सेंट्रल–अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत 13 मार्च 2024 को हुई थी और इसे 12 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी। पिछले दो वर्षों में इस ट्रेन को यात्रियों से काफी अच्छा प्रतिसाद मिला है। रेलवे अब विभिन्न व्यस्त मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनों की संख्या और उनके कोच बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है।

मुंबई से अहमदाबाद का सफर 5 घंटे 40 मिनट में

मुंबई सेंट्रल से अहमदाबाद के बीच लगभग 491 किलोमीटर का सफर वंदे भारत एक्सप्रेस करीब 5 घंटे 40 मिनट में पूरा करती है। यह ट्रेन बोरीवली, सूरत, वापी और वडोदरा जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकती है। तेज गति और आधुनिक सुविधाओं के कारण यह ट्रेन व्यापारियों, कामकाजी लोगों और यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय हो गई है।

अवैध संबंध के संदेह में युवक पर जानलेवा हमला

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

भिवंडी से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ के कामतघर इलाके में 4 मार्च की सुबह एक 35 वर्षीय व्यक्ति ने अपने ही परिचित पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी की पहचान विजय राघो साहा के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा शनिवार को दी गई जानकारी के अनुसार, विजय ने मांस काटने वाले चाकू से नीरज सुभाष साहा (20) पर वार किया, जिससे वह लहूलुहान होकर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी और पीड़ित दोनों एक ही गाँव के रहने वाले थे और एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे।

प्रगति कॉलेज में चपरासी ने की आत्महत्या

डीबीडी संवाददाता | डोंबिवली

डोंबिवली पूर्व के दत्तनगर इलाके स्थित प्रगति कॉलेज में गुरुवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। कॉलेज की लाइब्रेरी में कार्यरत चपरासी ने इमारत की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली।

इस घटना से कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया और पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान प्रवीण चौधरी (42) के रूप में हुई है, जो ठाकुर्ली के खंबालपाड़ा इलाके के निवासी थे। वह पिछले कई वर्षों से प्रगति कॉलेज में लाइब्रेरी चपरासी के पद पर कार्यरत थे।

जानकारी के अनुसार गुरुवार

दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वे अपने माता-पिता के साथ किसी कारणवश कॉलेज के प्राचार्य से मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक वे कार्यालय से उठकर चौथी मंजिल की बालकनी की ओर दौड़े और नीचे छलांग लगा दी। यह पूरी घटना कॉलेज के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

पुलिस ने शुरू की जांच

पुलिस के अनुसार प्रवीण चौधरी का स्वभाव कुछ गर्म मिजाज का बताया जा रहा है और उनके कामकाज को लेकर कॉलेज प्रशासन ने पहले भी कई बार उन्हें समझाया था। इसी संबंध में चर्चा के लिए उनके परिवार को कॉलेज बुलाया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बातचीत के दौरान उन्हें अचानक गुस्सा आया और गुस्से में उन्होंने चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

अस्पताल में इलाज के दौरान हुई मौत

घटना के बाद कॉलेज में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल प्रवीण चौधरी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही रामनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का पंचनामा कर मामले की जांच शुरू कर दी।

टीएमसी के विद्यार्थियों ने विश्व के विशाल टेलीस्कोप को प्रत्यक्ष देखा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे महानगरपालिका के शिक्षा विभाग की ओर से शैक्षणिक वर्ष 2025–26 में विज्ञान फोरम के विद्यार्थियों के लिए विशेष अध्ययन यात्रा का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना था। 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान फोरम के 40 विद्यार्थियों और 7 शिक्षकों ने पुणे जिले के नारायणगांव स्थित खोडाड का दौरा किया, जहां दुनिया के प्रमुख रेडियो टेलीस्कोप में से एक जायंट मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

इस शैक्षणिक यात्रा के दौरान

विद्यार्थियों को टेलीस्कोप की संरचना और उसके कार्य करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही अंतरिक्ष में ग्रहों, तारों और आकाशगंगाओं के अध्ययन में रेडियो तरंगों की भूमिका तथा अंतरिक्ष अनुसंधान से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं से भी परिचित कराया गया। उपायुक्त डॉ. मिताली संचेती ने बताया कि विशेषज्ञ गाइड ने विद्यार्थियों को टेलीस्कोप के कामकाज का प्रदर्शन किया और अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत के योगदान के बारे में भी जानकारी दी।

विद्यार्थियों में बढ़ी विज्ञान के प्रति रुचि

टेलीस्कोप का प्रत्यक्ष अवलोकन और वैज्ञानिकों से बातचीत के बाद विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष अनुसंधान से जुड़े कई प्रश्न पूछे। इस अनुभव से विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और रुचि और अधिक बढ़ी है तथा उन्हें भविष्य में वैज्ञानिक क्षेत्र में करियर बनाने की प्रेरणा भी मिली है।

नशीले पदार्थों के अड्डों को लेकर विवाद

पुलिस और कांग्रेस पदाधिकारी भिड़े

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

संजय गांधी नगर क्षेत्र में कथित नशीले पदार्थों के अड्डों की शिकायत को लेकर कांग्रेस पदाधिकारी वजुद्दीन खान और पुलिस प्रशासन के बीच विवाद खड़ा हो गया है। खान का आरोप है कि इलाके में मस्जिदों और कॉलेजों के पास चल रहे नशे के अड्डों के खिलाफ आवाज उठाने के बाद कुछ अपराधियों ने उन पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने यह भी कहा कि जब वे इस घटना की शिकायत दर्ज कराने सेंट्रल पुलिस स्टेशन पहुंचे, तो सहायक पुलिस निरीक्षक राकेश शेवाले ने उनकी शिकायत लेने से इनकार कर दिया और उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया। खान ने इस मामले में पुलिस आयुक्त से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है और न्याय न मिलने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। दूसरी ओर सहायक पुलिस निरीक्षक राकेश शेवाले ने खान द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि पुलिस हमेशा गंभीर अपराधों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करती है और शिकायतकर्ता के साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार नहीं किया गया है।

टीएमसी संस्थान के 10 विद्यार्थी यूपीएससी में उत्तीर्ण

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (UPSC) परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद ठाणे महानगरपालिका के स्व. चिंतामनराव देशमुख प्रशासनिक संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे 10 विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल कर मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर ठाणे मनपा की मेयर शर्मिला पिंपोलकर और आयुक्त सौरभ राव ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मेयर ने कहा कि इस सफलता से ठाणे महानगरपालिका का नाम गौरवान्वित हुआ है।

यूपीएससी परीक्षा में दीपाली महतो (रैंक 36), अंकिता

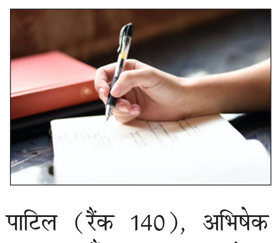

पाटिल (रैंक 140), अभिषेक मगदुम (रैंक 449), धनंजय दिघे (रैंक 529), पारस मेस्त्री (रैंक 555), आविष्कार डेरले (रैंक 591), सिद्धार्थ तगड़ (रैंक 619), शिवम वखारे (रैंक 651), मनीष ज़ेंडे (रैंक 788) और प्रणव बेंधारी (रैंक 926) ने सफलता प्राप्त की। ये सभी विद्यार्थी ठाणे नगर निगम के चिंतामनराव देशमुख प्रशासनिक संस्थान में नियमित रूप से प्रशिक्षण ले रहे थे।

संस्थान दे रहा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन

ठाणे नगर निगम द्वारा संचालित यह संस्थान यूपीएससी और एमपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करता है। यहां लगभग 140 विद्यार्थियों का बैच होता है, जिन्हें हर महीने तीन हजार रुपए का स्टाइपेंड, छात्रावास की सुविधा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाता है। संस्थान के निदेशक महादेव जगताप के अनुसार इस पहल का उद्देश्य प्रशासनिक सेवाओं में महाराष्ट्र के मराठी विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाना है।

मुंब्रा में फायरिंग, एक आरोपित गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिले के मुंब्रा इलाके में शनिवार सुबह दो बदमाशों ने एक व्यक्ति पर फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गए। घटना में नदीम मोइनुद्दीन खान उर्फ बाबा खान और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। दोनों घायलों को मुंब्रा के कालसेकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुंब्रा पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते

हुए एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है।

दिल्ली में भी दर्ज हैं कई मामले

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ दिल्ली के जाफराबाद क्षेत्र के चार अलग-अलग थानों में मामले दर्ज हैं। वह तिहाड़ जेल में आठ वर्ष की सजा भी काट चुका है। पुलिस इस घटना में शामिल उसके एक अन्य संदिग्ध साथी की तलाश कर रही है और मामले की आगे की जांच जारी है।

आरोपित के पास से हथियार बरामद

जांच कर रहे सहायक पुलिस निरीक्षक तेजस सावंत के अनुसार, सुबह करीब पांच बजे कौसा के अरमान बिल्डिंग परिसर में यह फायरिंग की घटना हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शाहबाद उर्फ शब्बू मुन्ना शमशाद कुरैशी (28) को गिरफ्तार किया है, जो मुंब्रा का निवासी है। उसके पास से दो पिस्टल, चार कारतूस और चार मैगजीन बरामद की गई हैं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया किला 'विजय दिवस'

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

मीरा-भाईंदर के भाईंदर पश्चिम स्थित उत्तन के सागर तट पर बने मराठा कालीन ऐतिहासिक जंजीरे धारावी किला का 288वां 'विजय दिवस' उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। यह आयोजन पहली बार मीरा-भाईंदर महानगरपालिका द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत महापौर डिंपल मेहता ने किले परिसर में स्थित मराठा कालीन शक्ति मंदिर में मां धारावी की पूजा-अर्चना की और अश्वारूढ़ नरवीर चिमाजी अप्पा के स्मारक पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान 'जय भवानी', 'हर-हर महादेव' और 'जय शिवराय' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

इतिहास के अनुसार पेशवा बाजीराव के छोटे भाई नरवीर चिमाजी अप्पा ने पुर्तगालियों के अत्याचार से कोंकण क्षेत्र को मुक्त कराने के लिए 1737 से 1739 तक लंबी लड़ाई लड़ी थी। मराठा सेना ने 6 मार्च 1739 को जंजीरे धारावी किला जीतकर पुर्तगालियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की थी, जिसके बाद वसई किले पर विजय संभव हो सकी। इसी ऐतिहासिक जीत की स्मृति में जंजीरे धारावी किला संरक्षण समिति पिछले पांच वर्षों से 6 मार्च को 'विजय दिवस' के रूप में मनाती आ रही है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा किला परिसर

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध लोक गायिका पूजा सावंत ने 'शिवगाथा' प्रस्तुति के माध्यम से मराठा वीरों की गौरवगाथा सुनाई, जिससे उपस्थित किला प्रेमियों और नागरिकों में जोश भर गया। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने अपने संबोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता, रणनीति और स्वराज्य की भावना पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके आदर्शों का पालन करते हुए हमें समाज और देश के विकास के लिए काम करना चाहिए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति

जंजीरे धारावी किला संरक्षण समिति के वरिष्ठ सदस्य रोहित सुवर्णा ने बताया कि किला विजय उत्सव के लिए वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा विशेष निधि मंजूर की गई थी, जो लगभग चार साल बाद मीरा-भाईंदर मनपा को प्राप्त हुई। हालांकि मनपा द्वारा पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम में आयुक्त सहित वरिष्ठ अधिकारियों की अनुपस्थिति खटकी। कार्यक्रम में उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटिल, स्थायी समिति अध्यक्ष हसमुख गेहलोत, विपक्ष गटनेता जय ठाकूर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

खाड़ी के दलदल में मिली सड़ी-गली लाश

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां खाड़ी के दलदली इलाके में एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति की सड़ी-गली लाश मिलने से इलाके में दहशत फैल गई। गुरुवार शाम खाड़ी क्षेत्र से तेज बदबू आने पर स्थानीय लोगों को शक हुआ और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची भोईवाड़ा पुलिस ने स्थानीय मछुआरों की मदद से कीचड़ में फंसे शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भिवंडी के इंदिरा गांधी उपजिला

अस्पताल (आईजीएम) भेज दिया। काफी समय तक पानी और कीचड़ में पड़े रहने के कारण शव पूरी तरह सड़ चुका था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया है।

हत्या या हादसा, हर पहलू से जांच में जुटी पुलिस

भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक रत्नपारखी ने बताया कि फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है और यह जांच की जा रही है कि शव खाड़ी में बहकर आया है या किसी ने हत्या के बाद यहां फेंका है। पुलिस गुमशुदगी की दर्ज शिकायतों की भी जांच कर रही है ताकि मृतक की पहचान हो सके। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

बीएमसी में रिक्त पदों को लेकर नगरसेवकों का हंगामा

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की स्थायी समिति की बैठक में नगरसेवकों ने प्रशासन के कामकाज पर तीखे सवाल खड़े किए। सदस्यों का आरोप है कि पिछले चार वर्षों से प्रशासक का शासन होने के कारण बीएमसी की प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नगरसेवकों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आज भी कई महत्वपूर्ण विभागों और खातों में कर्मचारियों, अधिकारियों और इंजीनियरों के पद रिक्त पड़े हैं। उनका तर्क है कि यदि पद ही रिक्त रहेंगे, तो विभागों का कामकाज कैसे चलेगा और नगरसेवकों द्वारा सुझाए गए जनहित के कार्य कैसे पूरे होंगे?

प्रशासनिक व्यवस्था पर उठाए सवाल

बैठक के दौरान पी-उत्तर विभाग के विभाजन के बाद नए बने पी-पूर्व विभाग के प्रशासनिक पदों को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान पूर्व महापौर श्रद्धा जाधव ने कहा कि लाइसेंस विभाग और इंजीनियरिंग विभाग में कई पद खाली हैं, लेकिन पिछले चार वर्षों में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों की जगह न तो नई भर्ती हुई और न ही किसी को पदोन्नति दी गई। सदन के नेता गणेश खणकर ने जानकारी दी कि ऑडिट विभाग में स्वीकृत पदों की तुलना में आधे से भी कम कर्मचारी कार्यरत हैं। वहीं, भाजपा के प्रकाश दरेकर ने प्रशासन की उदासीनता पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई वार्डों में सहायक आयुक्त के पद पर केवल 'प्रभारी' अधिकारी ही काम देख रहे हैं।

स्थायी समिति अध्यक्ष का आश्वासन: स्थापना व्यय के नाम पर नहीं होगी कटौती

इन गंभीर शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे ने प्रशासन को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थापना व्यय (Establishment Cost) को कम करने के बहाने कर्मचारियों के पदों में कटौती नहीं की जानी चाहिए। शिंदे ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि अब प्रत्येक विभाग और खाते की समीक्षा की जाएगी और रिक्त पदों को भरने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने पुराने समय का हवाला देते हुए कहा कि पहले विभाग अधिक सक्षम थे, लेकिन वर्तमान में एजेंडा वितरण जैसे सामान्य कार्यों में भी प्रशासनिक देरी हो रही है, जिसे ठीक करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

शिव मंदिर सौंदर्यीकरण परियोजना के तहत तोड़ू कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका ने शनिवार सुबह अंबरनाथ स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण परियोजना के तहत बड़ी तोड़ू कार्रवाई की। मनपा की अनधिकृत निर्माण विरोधी टीम ने एकता नगर कैंप-5 और कैलाश कॉलोनी में बने कई मकानों को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान स्थानीय निवासियों ने तीव्र विरोध जताया, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया।

अनधिकृत निर्माण विरोधी दल के प्रमुख गणेश शिम्पी और प्रभाग

क्रमांक-4 की सहायक आयुक्त अलका पवार के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के पुलिस बल की भारी तैनाती की गई थी। पिछले 30-40 वर्षों से यहां रह रहे निवासियों ने अपने घरों को तोड़े जाने का कड़ा विरोध किया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और सुरक्षा के बीच कार्रवाई पूरी की गई।

पुनर्वास को लेकर बढ़ी चिंता

सहायक आयुक्त अलका पवार ने बताया कि राज्य सरकार के आदेश के अनुसार शिव मंदिर सौंदर्यीकरण परियोजना के लिए इस जमीन को खाली कराना जरूरी था और प्रभावित लोगों को पहले ही नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि मनपा प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की जिम्मेदारी अंबरनाथ नगर पालिका की है। दूसरी ओर एकता नगर के नागरिकों ने पुनर्वास की व्यवस्था होने तक अपने संघर्ष को जारी रखने की बात कही है।

फर्जी रेलवे कर्मचारी बनकर घूम रहा युवक धराया

दादर पुलिस ने दर्ज किया केस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

चिंचपोकली रेलवे स्टेशन पर टिकट चेकिंग के दौरान एक फिल्मी अंदाज वाली धोखाधड़ी का पर्दाफाश हुआ है। खुद को 'रेलवे कर्मचारी' बताकर मुफ्त में सफर करने की कोशिश कर रहे एक 29 वर्षीय युवक को रेलवे पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है।

टीटीई को झांसा देने की कोशिश

चिंचपोकली स्टेशन पर जब टिकट चेकिंग चल रही थी, तब दिनेश सुरेश आरके (29) नाम के एक युवक को बिना टिकट पकड़ा गया। जब सीनियर टिकट इंस्पेक्टर प्रमोद रामानंद यादव ने उससे टिकट मांगा, तो दिनेश ने घबराने के बजाय रौब झाड़ते हुए खुद को रेलवे का कर्मचारी बता दिया।

'Employee Training' वाला हाई-टेक फर्जी कार्ड

दिनेश ने सबूत के तौर पर एक आईडी कार्ड दिखाया, जिस पर भारतीय रेलवे का लोगो और अशोक स्तंभ बना हुआ था। कार्ड पर बड़े-बड़े अक्षरों में 'Employee Training' लिखा था, ताकि देखने वाले को लगे कि वह अभी ट्रेनिंग पर है। कार्ड दिखने में इतना असली था कि पहली नज़र में कोई भी धोखा खा जाए।

व्हाट्सएप ने कर दिया 'खेल' खत्म

टिकट इंस्पेक्टर को कार्ड की बनावट और दिनेश की बातों पर शक हुआ। उन्होंने तुरंत उस कार्ड की फोटो खींची और अपने वरिष्ठ अधिकारियों को व्हाट्सएप कर दी। कुछ ही मिनटों में अधिकारियों ने जवाब दिया कि रेलवे ने ऐसा कोई कार्ड जारी नहीं किया है और यह पूरी तरह फर्जी है।

दादर पुलिस की कार्रवाई

पोल खुलते ही तुरंत दादर रेलवे पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर दिनेश को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाने और सरकारी प्रतीकों के गलत इस्तेमाल जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

अब हो रही है 'जड़' की तलाश

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दिनेश ने यह इतना असली दिखने वाला फर्जी कार्ड कहाँ से छपवाया? पुलिस को अंदेशा है कि वह काफी समय से इसी कार्ड के दम पर मुफ्त यात्रा कर रहा था और शायद किसी बड़े गिरोह का हिस्सा भी हो सकता है जो ऐसे कार्ड बनाता है।

जेलों में बंद सीरियल किलर पर अध्ययन की परियोजना रद्द

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रदेश सरकार ने जेलों में बंद सीरियल किलर और अन्य गंभीर अपराधियों का अध्ययन कर तैयार की जाने वाली अपराध विज्ञान अनुसंधान परियोजना 'रुद्र' को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इस परियोजना के प्रमुख अथर्व देशपांडे के खिलाफ प्राप्त गंभीर शिकायतों को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है। इस संबंध में राज्य के गृह विभाग ने आधिकारिक शासनादेश जारी किया है।

सरकार ने मई 2025 में इस अपराध विज्ञान अनुसंधान परियोजना को मंजूरी दी थी। इसके लिए दस वर्षों की अवधि में कुल 1 करोड़ 80 लाख रुपये खर्च करने की वित्तीय स्वीकृति दी गई थी। परियोजना के तहत मई से जुलाई 2025 की तिमाही के लिए 4 लाख 50 हजार रुपये की निधि भी जारी की गई थी, लेकिन अब सरकार ने इसे रद्द कर दिया है।

परियोजना प्रमुख के खिलाफ प्राप्त शिकायतों और सायन स्थित लोकमान्य तिलक महानगरपालिका मेडिकल कॉलेज एवं सामान्य अस्पताल की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने यह निर्णय लिया। रिपोर्ट में परियोजना के कामकाज से सरकारी पहल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई गई थी।

अपराधियों के व्यवहार का अध्ययन था उद्देश्य

इस परियोजना का उद्देश्य बार-बार अपराध करने वाले अपराधियों का अध्ययन कर उनके व्यवहार संबंधी प्रोफाइल तैयार करना था। इसके माध्यम से आपराधिक मानसिकता का गहराई से विश्लेषण कर भविष्य में अपराध नियंत्रण के उपायों को मजबूत करने की योजना बनाई गई थी

'वृक्षवर्धन 2026' आर्बोरिकल्चर कॉन्फ्रेंस की शुरुआत

दीपक पवार | मुंबई

मुंबई में 'बढ़ते शहर, हरियाली भरी छतरियां' की थीम पर आधारित दूसरा इंटरनेशनल आर्बोरिकल्चर कॉन्फ्रेंस वृक्षवर्धन 2026 शनिवार को होटल सहारा स्टार में उत्साह के साथ शुरू हुआ। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन एमेनिटी ट्री केयर एसोसिएशन (ATCA) और नानाजी देशमुख प्रतिष्ठान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। उद्घाटन समारोह में मुंबई की मेयर रितु तावड़े सहित कई विशेषज्ञ और आयोजक मौजूद रहे। बताया गया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 8 मार्च को कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे।

पेड़ों की हेल्थ रिपोर्ट की भी जरूरत : मेयर तावड़े

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मेयर रितु तावड़े ने कहा कि जैसे इंसानों की हेल्थ रिपोर्ट होती है, वैसे ही पेड़ों की भी हेल्थ रिपोर्ट बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि केवल ऊंची इमारतों का निर्माण ही विकास नहीं है, बल्कि इसके साथ शहर में हरियाली बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। उनके अनुसार मुंबई सिर्फ देश की आर्थिक और राजनीतिक राजधानी ही नहीं, बल्कि इंसानों और प्रकृति के सह-अस्तित्व का भी शहर है।

विकास के साथ ग्रीन कवर बनाए रखना चुनौती

इस मौके पर अधिकारी भूषण गगरानी ने कहा कि बढ़ती आबादी के साथ शहर का विकास एक बड़ी चुनौती बन गया है। सड़क, मेट्रो, ब्रिज और सीवेज सिस्टम जैसे कई प्रोजेक्ट एक साथ चल रहे हैं, जिससे संतुलन बनाए रखना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि विकास के साथ ग्रीन कवर बनाए रखने और मानसून में पेड़ों के गिरने के खतरे को कम करने के लिए प्रशिक्षित आर्बोरिकल्चरिस्ट की भूमिका अहम होगी। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि महानगरपालिका जलवायु परिवर्तन और ग्रीन डेवलपमेंट के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

हरियाली बढ़ाने में नागरिकों की भी जिम्मेदारी

मेयर तावड़े ने मुंबई में बढ़ते प्रदूषण का जिक्र करते हुए कहा कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका पेड़ों के संरक्षण और ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि शहर को हरा-भरा और स्वस्थ बनाए रखने की जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि नागरिकों की भी है। मुंबई की पहली नागरिक होने के नाते उन्होंने शहर को अधिक हरित और स्वस्थ बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

एलपीजी सिलेंडर की कमी की खबरें निराधार : फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रदेश में एलपीजी सिलेंडरों की संभावित कमी को लेकर चल रही खबरों पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि यह केवल अटकलबाजी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच ऐसी खबरें फैल रही हैं, लेकिन लोगों को इन पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों से बचें और स्थिति को लेकर चिंता न करें।

ईंधन की आपूर्ति सामान्य

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। वहीं एलपीजी सिलेंडर प्रदाता हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने भी स्पष्ट किया है कि देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। कंपनी के अनुसार ईंधन के पर्याप्त भंडार उपलब्ध हैं और सप्लाई व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही है। एचपीसीएल ने ईंधन की कमी से जुड़ी खबरों को पूरी तरह निराधार बताया है।

बीएमसी की टीम पर हमला करने के आरोप में पांच गिरफ्तार

फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुआ हमला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कांदिवली इलाके में समतानगर पुलिस ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की टीम पर हमला करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम को नगर निगम की ओर से फेरीवालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान लोखंडवाला क्षेत्र में कुछ फेरीवालों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए बीएमसी की टीम पर हमला कर दिया।

शिकायत के आधार पर हुई गिरफ्तारी

घटना के बाद बीएमसी की ओर से समतानगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कुलदीप सिंह (27), महेंद्र सिंह चूड़ावत (31), शौर्य शैलेश चरला (29), जस हितेश चरला (25) और असलम इम्तियाज शेख (27) के रूप में की गई है। पुलिस सभी आरोपियों से मामले में गहन पूछताछ कर रही है।

कड़ी कार्रवाई की मांग

स्थानीय भाजपा विधायक अतुल भातखलकर ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि लोखंडवाला इलाके में फेरीवालों की वजह से आम नागरिकों को लंबे समय से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब नगर निगम ने कार्रवाई की तो कुछ असामाजिक तत्वों ने टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने मांग की कि हमलावरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

उदयप्रताप सिंह को हर तरफ से मिल रही हैं बधाइयां

शीर्ष नेताओं का जताया आभार

मुंबई। मुंबई में भाजपा के सक्रिय नेता उदयप्रताप सिंह को एक बार फिर बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्हें हर तरफ से शुभकामनाएं मिल रही हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं, समर्थकों और सामाजिक संगठनों की ओर से उन्हें बधाई दी जा रही है और उनके सफल कार्यकाल की कामना की जा रही है। आपको बी बता दें कि गुरुवार को मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट अमित साटम द्वारा जारी की गई नई सूची में उदयप्रताप सिंह को फिर से मुंबई भाजपा प्रवक्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा प्रवक्ता के रूप में उदयप्रताप सिंह लगातार पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने में सक्रिय रहे हैं।

पूरी निष्ठा से निभाएंगे जिम्मेदारी

नई जिम्मेदारी मिलने पर उदयप्रताप सिंह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट अमित साटम और पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करते हुए पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य पहले की तरह जारी रखेंगे।

महिला दिवस पर खास पहल

महिलाओं के हाथों में होगी मेट्रो की कमान

दो स्टेशनों का संचालन पूरी तरह महिला स्टाफ करेगा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (MMRC) ने विशेष पहल करते हुए मुंबई मेट्रो लाइन-3 (एक्वा लाइन) के दो स्टेशनों—मरोल नाका और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT)—की कमान पूरी तरह महिला कर्मचारियों को सौंपने का निर्णय लिया है। 8 मार्च को इन दोनों स्टेशनों का संचालन पूरी तरह महिला स्टाफ द्वारा किया जाएगा, जिससे शहरी परिवहन क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सशक्तिकरण का संदेश दिया जा सके।

85 महिला कर्मचारी संभालेंगी संचालन की जिम्मेदारी

इन स्टेशनों पर स्टेशन कंट्रोल, टिकटिंग, यात्री सहायता, सुरक्षा व्यवस्था, मेंटेनेंस सहायता और हाउसकीपिंग सहित सभी गतिविधियां महिलाओं द्वारा संचालित की जाएंगी। कुल 85 महिला कर्मचारी अलग-अलग शिफ्ट में दिनभर इन स्टेशनों के संचालन की जिम्मेदारी निभाएंगी।

मेट्रो संचालन में भी बढ़ रही महिलाओं की भूमिका

मुंबई मेट्रो लाइन-3 के संचालन में 27 महिला ट्रेन ऑपरेटर (मेट्रो पायलट) भी सक्रिय रूप से मेट्रो ट्रेनें चला रही हैं। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में वर्तमान में विभिन्न स्तरों पर कुल 1,388 महिला कर्मचारी कार्यरत हैं, जो कार्यालय कार्यों के साथ-साथ संचालन, टिकटिंग, हाउसकीपिंग और सुरक्षा सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों पर मनपा की सख्ती

34 संपत्तियों की ई-नीलामी के लिए नोटिस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान नहीं करने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ मुंबई महानगरपालिका (मनपा) ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। मनपा के कर निर्धारण व संकलन विभाग ने शहर की 34 संपत्तियों की ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू करने के लिए नोटिस जारी किया है। सभी बकायेदारों को 21 दिन की अंतिम मोहलत दी गई है, जिसके भीतर टैक्स जमा न करने पर संबंधित संपत्तियों की सार्वजनिक ई-नीलामी की जाएगी।

548 करोड़ से अधिक टैक्स बकाया

मनपा के अनुसार इन 34 संपत्तियों पर दंड सहित कुल 548 करोड़ 69 लाख 82 हजार 487 रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। नोटिस जारी की गई संपत्तियों में खाली भूखंड, व्यावसायिक इमारतें, होटल और मिश्रित उपयोग वाली संपत्तियां शामिल हैं। इनमें से 11 संपत्तियों की दीर्घावधि नोटिस अवधि समाप्त होने के बाद वास्तविक नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इच्छुक खरीदारों से बोली आमंत्रित की गई है।

कार्रवाई शुरू होते ही जमा हुआ टैक्स

मनपा की सख्त कार्रवाई का असर भी दिखाई देने लगा है। नीलामी प्रक्रिया शुरू होते ही पांच संपत्ति धारकों ने 10 करोड़ 45 लाख रुपये का बकाया टैक्स जमा कर दिया है। मनपा प्रशासन ने करदाताओं से अपील की है कि वे समय सीमा के भीतर बकाया टैक्स जमा कर दें, अन्यथा मुंबई मनपा अधिनियम 1888 की धारा 203, 204, 205 और 206 के तहत कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

10 और 11 मार्च को पानी की आपूर्ति बंद

गोरेगांव पूर्व के कई इलाकों में मरम्मत कार्य के कारण जलापूर्ति प्रभावित

मुंबई। गोरेगांव (पूर्व) के कई क्षेत्रों में 10 से 11 मार्च के बीच पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। मुंबई महानगरपालिका ने दादासाहेब फाल्के फिल्म सिटी मार्ग पर फ्लाईओवर के पहुंच मार्ग क्षेत्र में जलवाहिनी की मरम्मत का कार्य करने का निर्णय लिया है। इस कारण 10 मार्च सुबह 9 बजे से 11 मार्च सुबह 9 बजे तक 'पी पूर्व' और 'पी दक्षिण' विभाग के कई इलाकों में 24 घंटे के लिए जलापूर्ति बंद रहेगी, जबकि कुछ क्षेत्रों में कम दबाव से पानी मिलेगा।

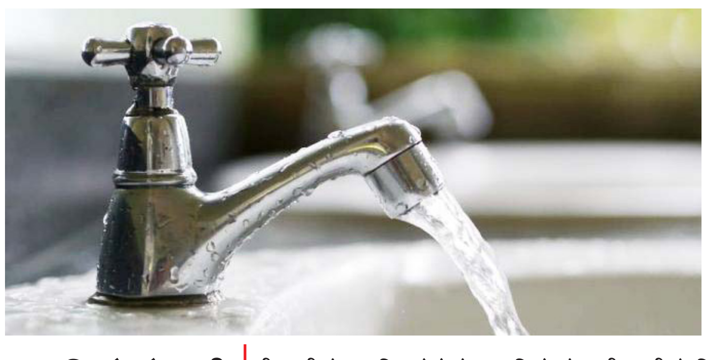

इन क्षेत्रों में नहीं आएगा पानी

मनपा के अनुसार 750 मिमी व्यास की डायवर्ट की गई पाइपलाइन के छेद जोड़ने का कार्य किया जाएगा। इस दौरान 'पी पूर्व' विभाग के शिवशाही परियोजना, श्रीकृष्ण नगर और इंदिरा गांधी अनुसंधान संस्था क्षेत्र में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। वहीं 'पी दक्षिण' विभाग के सैटेलाइट टॉवर, संतोष नगर, माली नगर, हबले पाड़ा, उमरशेट पाड़ा, नगरमोडे पाड़ा, सुनील मैदान और फिल्म सिटी मार्ग से सटे क्षेत्रों में भी पानी की आपूर्ति बंद रहेगी। मोहन गोखले मार्ग, कृष्णा वाटिका मार्ग, साई मार्ग और आर्य भास्कर मार्ग क्षेत्र में कम दबाव से जलापूर्ति की जाएगी।

नागरिकों से पानी बचाने की अपील

बीएमसी ने प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की है कि वे जलापूर्ति बंद होने से पहले आवश्यकतानुसार पानी का भंडारण कर लें और मरम्मत कार्य के दौरान पानी का उपयोग संयम से करें। साथ ही मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद कुछ दिनों तक पानी मटमैला आने की संभावना को देखते हुए पानी को छानकर और उबालकर पीने की सलाह दी गई है।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई– प्रोक्योरमेंट

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल स्टोर कार्यालय मध्य रेलवे, सोलापुर, निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित करता है। **01 टेंडर नंबर:**– 96265078, **02 विवरण:**– अन–इनसुलेटेड कैडमियम कॉपर कैटेनरी वायर 65 मि.मि.² (19/2.10 मि.मि.) स्पेसिफिकेशन: टी आई एसपीसी ओएचई कैट सीयू–सीडी 0971, एसटीआर: टीआई एसटीआर 020 रिव 02 या लेटेस्ट।, **03 मात्रा:**–21.5 कि.मी., **04 बयाना राशि (INR):**– Rs. 243590.00, **www.ireps.gov.in पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:– 25.03.2026 11:30 बजे के बाद,** संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा समाप्ति की तिथि से पहले वेबसाइट पर बार–बार विजिट करते रहें ताकि इस निविदा के लिए जारी किए गए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान दिया जा सके। **वेबसाइट: www.ireps.gov.in.**

16 वरिष्ट मंडल सामग्री प्रबंधक/सोलापुर

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई– प्रोक्योरमेंट

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल स्टोर कार्यालय मध्य रेलवे, सोलापुर, निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित करता है। **01 टेंडर नंबर:**– 96265076, **02 विवरण:**– ज्वाइंटलेस ग्रुवड़ कॉपर कौटैक्ट वायर, 107 मि.मि.² आरडीएसओ के स्पेसिफिकेशन नंबर टीआई/एसपीसी/ओएचई/सीडब्ल्यू/0971 या लेटेस्ट के अनुसार कंटिन्यूअस कास्ट कॉपर वायर रॉड से निर्मित।, **03 मात्रा:**–17.5 कि.मी., **04 बयाना राशि (INR):**– Rs. 311690.00, **www.ireps.gov.in पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:– 30.03.2026 11:30 बजे के बाद,** संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा समाप्ति की तिथि से पहले वेबसाइट पर बार–बार विजिट करते रहें ताकि इस निविदा के लिए जारी किए गए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान दिया जा सके। **वेबसाइट: www.ireps.gov.in.**

15 वरिष्ट मंडल सामग्री प्रबंधक/सोलापुर

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

संपादकीय

युद्ध की तपिश और वैश्विक संकट

मध्यम पूर्व में गहराता युद्ध अब केवल सीमाओं और सेनाओं के बीच का संघर्ष नहीं रह गया है। इसकी तपिश धीरे-धीरे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने लगी है। वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता ने व्यापार, ऊर्जा और निवेश के क्षेत्र में गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। एक ऐसे समय में जब विश्व अर्थव्यवस्था महामारी के बाद धीरे-धीरे संभलने की कोशिश कर रही थी, यह नया संकट वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था को फिर से अस्थिर कर रहा है। भारत जैसे विकासशील और ऊर्जा आयात पर निर्भर देश के लिए यह स्थिति किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 85 प्रतिशत जरूरतें विदेशों से पूरी करता है, जिनमें खाड़ी क्षेत्र के देशों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि युद्ध का प्रभाव तेल उत्पादन क्षेत्रों तक पहुंचता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि होना लगभग निश्चित है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें प्रति बैरल 100 डॉलर के आसपास पहुंचती हैं, तो भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। इसका प्रभाव केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर परिवहन लागत के माध्यम से हर वस्तु पर पड़ेगा। फल, सब्जियां, दूध, अनाज और अन्य दैनिक जरूरतों की वस्तुएं महंगी हो जाएंगी, जिससे आम नागरिक का घरेलू बजट बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। ऊर्जा संकट के साथ-साथ व्यापारिक मार्गों की असुरक्षा भी एक बड़ी चिंता बनकर सामने आई है। भारत का एक बड़ा हिस्सा अंतरराष्ट्रीय व्यापार लाल सागर और स्वेज नहर के रास्ते से होकर गुजरता है। इन समुद्री मार्गों पर बढ़ते खतरे के कारण कई मालवाहक जहाजों को लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है। इससे परिवहन लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है और सामान की आपूर्ति में भी देरी हो रही है। इसका सीधा प्रभाव भारतीय निर्यातकों पर पड़ सकता है। विशेष रूप से इंजीनियरिंग उत्पाद, वस्त्र उद्योग और कृषि उत्पादों के निर्यात में कठिनाइयां बढ़ सकती हैं, क्योंकि बढ़ती परिवहन लागत के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय वस्तुएं महंगी हो जाएंगी।

इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में सरकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है और रणनीतिक तेल भंडार की व्यवस्था भी मौजूद है। इन संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करके सरकार घरेलू बाजार को अस्थिर होने से बचा सकती है। साथ ही ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना भी दीर्घकालिक समाधान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दूसरी ओर, आम नागरिकों को भी इस दौर में संयम और आर्थिक अनुशासन अपनाने की आवश्यकता है। अनावश्यक खर्चों को सीमित करना, ईंधन की बचत करना और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देना न केवल व्यक्तिगत हित में है, बल्कि देश की आर्थिक स्थिरता के लिए भी आवश्यक है। संकट के समय समाज और राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

अंततः यह युद्ध केवल भू-राजनीतिक संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है। भारत को इस चुनौती का सामना दूरदर्शिता, संतुलित नीतियों और सामूहिक जिम्मेदारी के साथ करना होगा। यदि सरकार और नागरिक दोनों सजग और संगठित होकर आगे बढ़ें, तो किसी भी वैश्विक संकट का सामना दृढ़ता और आत्मविश्वास के साथ किया जा सकता है।

दृष्टि से परे दृष्टिकोण : हेलेन केलर

ज्योति अग्रवाल
स्नातक (B.Sc) एवं परास्नातक (M.A) की शिक्षा प्राप्त की है तथा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) उत्तीर्ण की है। राज्य सेवा एवं केंद्रीय सेवा में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। वर्तमान में अतिरिक्त आयुक्त, सीमा शुल्क, मुंबई के पद पर कार्यरत हैं।

हेलेन केलर ने वह उपलब्धियां हासिल कीं, जिन्हें उस समय असंभव माना जाता था। वे पहली दृष्टि-बाधित और श्रवण-बाधित व्यक्ति बनीं जिन्होंने रैडक्लिफ कॉलेज से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री प्राप्त की। उस समय जब बिना किसी शारीरिक बाधा वाली महिलाओं के लिए भी उच्च शिक्षा कठिन थी, उनकी यह उपलब्धि क्रांतिकारी थी। उन्होंने 14 पुस्तकें लिखीं, जिनमें उनकी प्रसिद्ध आत्मकथा द स्टोरी ऑफ माय लाइफ भी शामिल है।

आज के युग में, जहां युवा अवसरों से घिरे हुए हैं, वहीं वे अत्यधिक दबाव से भी जूझ रहे हैं। वर्तमान पीढ़ी शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा, करियर की अनिश्चितता, सोशल मीडिया पर तुलना और "पर्याप्त अच्छा न होने" के निरंतर भय का सामना कर रही है। चिंता और आत्म-संदेह चुपचाप सामान्य समस्याएं बनती जा रही हैं। लेकिन एक सदी से भी पहले, एक ऐसी बालिका जिसने पूर्ण अंधकार और मौन में जीवन बिताया, उसने दुनिया को सच्ची शक्ति का अर्थ समझाया।

हेलेन एडम्स केलर का जन्म 27 जून, 1880 को टस्कम्बिया में हुआ। वह एक स्वस्थ शिशु थीं, लेकिन मात्र 19 महीने की आयु में अचानक हुई बीमारी ने उन्हें स्थायी रूप से दृष्टिहीन और श्रवणहीन बना दिया। कल्पना कीजिए, ऐसा जीवन जहां आप अपने प्रियजनों को देख नहीं सकते, उनकी आवाज सुन नहीं सकते और अपने विचार व्यक्त नहीं कर सकते। उनके प्रारंभिक वर्ष निराशा से भरे हुए थे। भाषा के अभाव में वे स्वयं को बंधा हुआ महसूस करती थीं। उनका परिवार उनसे अत्यंत प्रेम करता था, परंतु उनके क्रोध और भ्रम को संभालना कठिन था।

सब कुछ तब बदल गया जब पर्किन्स इंस्टीट्यूट फॉर द ब्लाइंड से एक युवा शिक्षिका ऐनी सुलिवन उनके जीवन में आईं। ऐनी को विश्वास था कि हेलेन की बुद्धि असाधारण है, भले ही वे शारीरिक रूप से अक्षम थीं। अपार धैर्य के साथ उन्होंने हेलेन को हाथ पर शब्दों की स्पेलिंग करके सिखाना प्रारंभ किया। वे उनके हाथ पर अक्षर उकेरती थीं। प्रारंभ में हेलेन अनिच्छुक थीं और समझ नहीं पा रही थीं।

परिवर्तन का निर्णायक क्षण पानी के हैंडपंप पर आया। जब ठंडा पानी हेलेन के हाथ पर बह रहा था, ऐनी बार-बार उनके हाथ पर "पानी" शब्द की स्पेलिंग कर रही थीं। अचानक हेलेन को समझ आया कि जिन संवेदनाओं को वे महसूस कर रही हैं, उनके नाम भी होते हैं। उसी एक क्षण ने भाषा और ज्ञान के द्वार खोल दिए। उस दिन के बाद उनकी प्रगति रुकने वाली नहीं थी। इस घटना ने उन्हें दुनिया से जोड़ दिया। उन्होंने स्पर्श और संवेदनाओं के माध्यम से बहुत तेज़ी से अनेक शब्द सीखे और अपनी अनेक सीमाओं के बावजूद सामान्य जीवन जीना प्रारंभ किया। उन्होंने अपनी असहायता को अवसर में बदल दिया और अपनी अन्य शक्तियों को निरंतर विकसित किया। हेलेन केलर ने वह उपलब्धियां हासिल कीं, जिन्हें

उस समय असंभव माना जाता था। वे पहली दृष्टि-बाधित और श्रवण-बाधित व्यक्ति बनीं जिन्होंने रैडक्लिफ कॉलेज से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री प्राप्त की। उस समय जब बिना किसी शारीरिक बाधा वाली महिलाओं के लिए भी उच्च शिक्षा कठिन थी, उनकी यह उपलब्धि क्रांतिकारी थी। उन्होंने 14 पुस्तकें लिखीं, जिनमें उनकी प्रसिद्ध आत्मकथा द स्टोरी ऑफ माय लाइफ भी शामिल है। वे एक अंतरराष्ट्रीय वक्ता बनीं और 25 से अधिक देशों की यात्रा कर दिव्यांगजनों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। अमेरिकन फाउंडेशन फॉर द ब्लाइंड के साथ उनके कार्य ने शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में अनगिनत लोगों का जीवन बेहतर बनाया। उन्होंने महिला मताधिकार और सामाजिक न्याय के मुद्दों का भी समर्थन किया। 1964 में उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति लिंडन बी. जॉनसन द्वारा 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' से सम्मानित किया गया, जो अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक है।

लेकिन पुरस्कारों और उपलब्धियों से परे, जो बात उनके जीवन को असाधारण बनाती है, वह है उनकी सोच। आज के समय में युवा अक्सर परीक्षा परिणाम, अस्वीकृति, सोशल मीडिया तुलना या अस्थायी असफलताओं से निराश हो जाते हैं। शिक्षा, तकनीक और अवसर होने के बावजूद वे आत्मविश्वास की कमी से जूझते हैं। हेलेन केलर का जीवन हमें याद दिलाता है कि वास्तविक सीमा शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक होती है।

उन्होंने अंधकार को अपने भविष्य की परिभाषा नहीं बनने दिया। उन्होंने अपनी परिस्थिति को स्वीकार किया, लेकिन उसके सामने आत्मसमर्पण नहीं किया। उन्होंने मार्गदर्शन लिया, अथक परिश्रम किया, छोटी-छोटी प्रगति का उत्सव मनाया और विपरीत परिस्थितियों को उद्देश्य में बदल दिया। तुरंत सफलता के प्रति आसक्त समाज में, हेलेन केलर की यात्रा धैर्य और दृढ़ता का पाठ पढ़ाती है। तुलना की संस्कृति में वे आत्मविश्वास सिखाती हैं। शोर और विचलन से भरे समय में वे स्पष्ट दृष्टिकोण का महत्व बताती हैं। सच्ची दृष्टि आंखों से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, साहस और आत्मविश्वास से आती है।

हेलेन केलर का जीवन केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि संघर्ष और सहनशीलता की मार्गदर्शिका है। और शायद आज की पीढ़ी के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण संदेश है—कोई भी अंधकार इतना शक्तिशाली नहीं कि एक दृढ़ निश्चयी आत्मा को रोक सके। हमें स्वयं को यह याद दिलाते रहना चाहिए कि दृढ़ संकल्प और धैर्य के साथ हम वह सब प्राप्त कर सकते हैं, जिसे हम सच्चे मन से प्राप्त करना चाहते हैं।

हमारी गीता

गीता की दृष्टि में नारी शक्ति

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता के दसवें अध्याय 'विभूतियोग' में भगवान कृष्ण अर्जुन को अपनी उन विशेष शक्तियों का बोध कराते हैं, जिनमें उनका ऐश्वर्य स्पष्ट रूप से प्रकट होता है। 'विभूति' का अर्थ है— विशेषेण भूतिः, अर्थात जहां भी कुछ भव्य, दिव्य, उदात्त और ओजस्वी है, वह साक्षात ईश्वर का ही अंश है। इसी क्रम में भगवान ने सात विशेष गुणों का उल्लेख करते हुए उन्हें अपना 'स्त्री स्वरूप' बताया है। वे कहते हैं— ₹कीर्तिः श्रीर्वाक्च नारीणां स्मृतिर्मेधा धृतिः क्षमा₹ (गीता 10.34)। ये सात दैवीय गुण—कीर्ति, श्री, वाणी, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा—न केवल मानवीय स्वभाव के श्रेष्ठ लक्षण हैं, बल्कि पौराणिक संदर्भों में ये सात महान स्त्रियां भी हुई हैं, जिन्होंने समाज और संस्कृति के निर्माण में महती भूमिका निभाई।

ये सात गुण जीवन के वे स्तंभ हैं जो मनुष्य को पूर्णत्व की ओर ले जाते हैं। कीर्ति (यश), श्री (ऐश्वर्य और तेज), वाक् (मंगलमयी वाणी), स्मृति (सांस्कृतिक बोध), मेधा (धारणा शक्ति), धृति (धैर्य) और क्षमा (सहनशीलता) जिस भी व्यक्ति के भीतर जागृत होते हैं, उसे जीवन में सच्चा आनंद और सफलता प्राप्त होती है। चाहे स्त्री हो या पुरुष, इन 'स्त्रीलिंगी' गुणों को आत्मसात करना

ही समाज के वास्तविक विकास का आधार है। इन गुणों के बिना व्यक्ति का व्यक्तित्व अधूरा है, क्योंकि ये केवल शब्द नहीं बल्कि वह दैवीय ऊर्जा हैं जो मनुष्य को पशुत्व से देवत्व की ओर ले जाती हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से यह संपूर्ण सृष्टि 'प्रकृति' है, जो परमात्मा की ही प्रकट शक्ति है। भगवान स्पष्ट कहते हैं कि वे अपनी ही प्रकृति को आधार बनाकर अपनी माया से इस संसार में प्रकट होते हैं— ₹प्रकृतिं स्वामधिष्ठाय सम्भवाम्यात्ममायया₹। बिना प्रकृति (नारी स्वरूप) के परमात्मा का सृजन और प्रकटीकरण संभव ही नहीं है। अतः जागतिक महिला दिवस के अवसर पर यह समझना अनिवार्य है कि नारी केवल देह नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय चेतना का वह उज्ज्वल स्वरूप है जिसके आधार पर संपूर्ण सृष्टि टिकी है। इन सात दैवीय विभूतियों का सम्मान और संवर्धन ही मानवता का सच्चा कल्याण है।

आलेख

छाया (सीमा) खंडागळे

स्त्री-पुरुष पूरकता की आवश्यकता

8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इसके पीछे एक लंबा इतिहास है। पहले कुछ देशों में महिलाओं को मतदान का अधिकार नहीं था। उन्हें यह अधिकार दिलाने के उद्देश्य से १९१० में 'सोशलिस्ट इंटरनेशनल' के कोपेनहेगन सम्मेलन में महिला दिवस को अंतरराष्ट्रीय दर्जा दिया गया। इस दिन की शुरुआत में क्लारा जेटकिन नाम की महिला का बड़ा योगदान है। क्लारा जेटकिन ने ही इस परिषद में विश्व महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। इस परिषद में कुल १७ देशों की १०० महिलाओं ने भाग लिया था और सभी ने इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताई थी।

इस दिन का महत्व तब और बढ़ गया, जब फरवरी १९१७ में महिलाओं ने 'ब्रेड एंड पीस' (रोजी-रोटी और शांति) के लिए आंदोलन किया और धीरे-धीरे यह आंदोलन फैलता गया। इसके बाद जो सरकार सत्ता में आई, उसने महिलाओं को मतदान का अधिकार दिया। उस समय रूस में 'जूलियन कैलेंडर' का उपयोग होता था, जिसके अनुसार फरवरी का आखिरी रविवार २३ तारीख को था। लेकिन दुनिया भर में उस समय 'ग्रेगोरियन कैलेंडर' प्रचलन में था और उस कैलेंडर के अनुसार २३ फरवरी का दिन दुनिया भर में ८ मार्च था। इसीलिए, ८ मार्च को विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। भारत में ८ मार्च १९४३ को पहला महिला दिवस मनाया गया था। ८ मार्च १९७१ को पुणे में इस अवसर पर एक बड़ा महिला मोर्चा निकाला गया। बाद में १९७५ को यूएनओ (UNO) ने 'अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष' घोषित किया। इसके बाद महिलाओं के मुद्दे चर्चा में आए, महिला संगठनों को मजबूती मिली और स्त्री-पुरुष समानता की दृष्टि से विचार किया जाने लगा। परंतु क्या आज भी हमारे देश में स्त्री-पुरुष समानता को पूरी तरह स्वीकार किया गया है? नहीं। आज भले ही कानून महिलाओं के पक्ष में हो, फिर भी हर जगह स्त्री को उपेक्षित किया जाता है—चाहे वह कार्यस्थल हो या अन्य कोई जगह। एक वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, अभी भी १८ देशों में ऐसे कानून हैं जहाँ पुरुष अपनी पत्नियों को काम करने से रोक सकते हैं। महिलाएँ भले ही पुरुषों के बराबर काम करें, लेकिन वैश्विक स्तर पर उन्हें पुरुषों की तुलना में २३% कम वेतन मिलता है। दुनिया की कुल आबादी में आधी आबादी महिलाओं की होने के बावजूद, २.७ बिलियन से अधिक महिलाएँ अपनी पसंद की नौकरी नहीं कर पातीं, जैसा कि पुरुष कर सकते हैं।

अब तक की रिपोर्टों के अनुसार, १२ मिलियन लड़कियाँ बाल विवाह का शिकार हुई हैं। इस प्रथा के कारण लड़कों की तुलना में लड़कियों को सबसे अधिक कष्ट झेलना पड़ा है। कई बार कार्यस्थल पर महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक संघर्ष करना पड़ता है। वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों द्वारा उनका शारीरिक शोषण भी किया जाता है। जब कोई महिला किसी पुरुष से या कोई पत्नी अपने पति से आगे निकल जाती है, तो अक्सर पुरुष अहंकार को ठेस पहुँचती है। समाज में जब भी यह सुना जाता है कि ₹पुरुषों को हराकर महिला जीती,₹ तो कहीं न कहीं अनजाने में यह महिलाओं पर होने वाले अत्याचार की शुरुआत होती है। ₹अमुक क्षेत्र में लगातार ३ वर्षों से महिलाएँ आगे,₹ ₹परीक्षा के परिणामों में लड़कियों ने मारी बाजी,₹ ₹अमुक कार्य में महिलाओं का वर्चस्व₹—ऐसी खबरें सुनने के बाद जब पुरुष अहंकार आहत होता है, वहीं से हिंसा और प्रताड़ना का जन्म होता है।

स्त्री और पुरुष को एक-दूसरे के विरुद्ध प्रतिस्पर्धा में उतारने के बजाय, उन्हें 'एक-दूसरे का पूरक' बनाना अत्यंत आवश्यक है। तभी दोनों के बीच का क्रोध और द्वेष समाप्त होकर एक बेहतर सह-जीवन का निर्माण हो सकता है। फौजदारी कानून की धारा १२५ के तहत तलाक के बाद माँगा जाने वाला गुजारा भत्ता (पोटगी), विवाहित महिला का शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा रोकथाम अधिनियम और दहेज निषेध अधिनियम जैसे कई कानून महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। लेकिन कुछ विकृत मानसिकता वाली महिलाएँ इन कानूनों का दुरुपयोग करती भी दिखाई देती हैं, जिसके कारण कई पुरुषों को बदनामी का सामना करना पड़ता है। इसके परिणामस्वरूप पुरुषों में आत्महत्या की दर बढ़ रही है। अतः महिलाओं की तरह ही पुरुषों को भी कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। आज इस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी महिलाओं को 'स्त्री-पुरुष समानता' की परिभाषा बदलकर 'स्त्री-पुरुष पूरकता' की परिभाषा को अमल में लाना चाहिए। तभी सही अर्थों में हर दिन 'महिला दिवस' मनाया जा सकेगा।

जीवन ऊर्जा

एस. विजयलक्ष्मी : जन्म - 25 मार्च, 1979 | जन्म

एस. विजयलक्ष्मी का जन्म 25 मार्च 1979 को चेन्नई, तमिलनाडु, भारत में हुआ। वे भारत की प्रसिद्ध शतरंज खिलाड़ी हैं और देश की पहली महिला अंतरराष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव प्राप्त किया। उन्होंने अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारतीय शतरंज को नई पहचान दिलाई और युवाओं को इस खेल के लिए प्रेरित किया।

अभ्यास ही प्रतिभा को महान बनाता है

शतरंज धैर्य और एकाग्रता का खेल है। हर चाल सोच-समझकर चलना ही जीत की कुंजी है। असफलता से सीखना ही असली जीत है। अभ्यास ही प्रतिभा को महान बनाता है। आत्मविश्वास सबसे बड़ी शक्ति है। हर हार नई सीख लेकर आती है। लक्ष्य स्पष्ट हो तो रास्ते मिल जाते हैं। धैर्य रखने वाला खिलाड़ी ही आगे बढ़ता है। कठिन परिश्रम सफलता का आधार है। हर दिन कुछ नया सीखना जरूरी है। अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है। छोटी-छोटी जीतें बड़ी उपलब्धियों का मार्ग बनाती हैं। खेल हमें जीवन का संतुलन सिखाता है। संघर्ष के बिना सफलता संभव नहीं। मन की स्थिरता जीत दिलाती है। मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। हर चुनौती एक अवसर है। सपनों को सच करने के लिए प्रयास जरूरी है। खेल हमें विनम्र बनाता है। जीतने से ज्यादा जरूरी है सीखना। धैर्य ही रणनीति की असली ताकत है। लगातार अभ्यास ही महारत दिलाता है। साहस के बिना आगे बढ़ना कठिन है। सीखने की इच्छा कभी खत्म नहीं होनी चाहिए। खिलाड़ी का असली परिचय उसके व्यवहार से होता है। समय का सही उपयोग सफलता दिलाता है। सकारात्मक सोच ही ऊर्जा देती है।

मन की शक्ति सबसे बड़ी शक्ति है। हार से घबराना नहीं चाहिए। हर दिन खुद को बेहतर बनाना चाहिए। ध्यान और एकाग्रता ही असली पूंजी है। चुनौतियां ही हमें मजबूत बनाती हैं। धैर्य से ही बड़ी जीत मिलती है। खेल जीवन को अनुशासित बनाता है। सच्ची सफलता निरंतर प्रयास से मिलती है। निरंतर अभ्यास ही खिलाड़ी को महान बनाता है। कठिनाइयां ही असली शिक्षक होती हैं। आत्मविश्वास के साथ लिया गया निर्णय सफलता की ओर ले जाता है। हर खिलाड़ी को विनम्र रहना चाहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

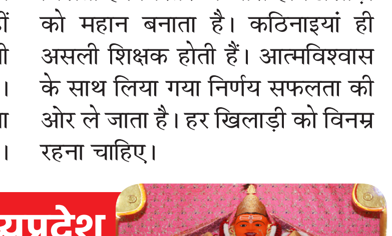

शक्ति के बिना शिव अधूरे

भारतीय सनातन संस्कृति और धर्मशास्त्रों में नारी को 'शक्ति' का पर्याय माना गया है। आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो किसी भी यज्ञ, साधना या पूजा का पूर्ण फल तब तक प्राप्त नहीं होता, जब तक उसमें महिला की सहभागिता न हो। हमारे शास्त्रों ने स्पष्ट उद्घोष किया है— 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः', अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। लेकिन यह केवल सम्मान तक सीमित नहीं है; साधना के मार्ग पर महिला की उपस्थिति एक अनिवार्य आवश्यकता है। सनातन धर्म में विवाह के पश्चात स्त्री को 'अर्धांगिनी' कहा गया है, जिसका अर्थ है पुरुष के शरीर का आधा अंग। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कोई भी विवाहित पुरुष अकेले धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं कर सकता। त्रेतायुग में जब भगवान श्री राम ने अश्वमेध यज्ञ किया था, तब माता सीता की अनुपस्थिति में उन्हें स्वर्ण की सीता की प्रतिमा स्थापित करनी पड़ी थी। यह इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि बिना पत्नी या स्त्री शक्ति के कोई भी यज्ञ शास्त्र सम्मत नहीं माना जाता। गृहस्थ आश्रम में होने वाली हर पूजा में महिला का दाहिनी ओर बैठना मंगलकारी और पूर्णता का प्रतीक माना गया है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

योग और तंत्र शास्त्र के अनुसार, सृष्टि का संचालन शिव और शक्ति के मिलन से होता है। दार्शनिक रूप से शिव 'चेतना' हैं और शक्ति 'ऊर्जा'। चेतना बिना ऊर्जा के जड़ है। साधना के कठिन मार्ग पर महिला अपनी सहज संवेदनशीलता, धैर्य और करुणा के कारण पुरुष की आध्यात्मिक ऊर्जा को संतुलित करती है। श्रीविद्या और शाक्त परंपराओं में तो साक्षात महिला को ही इष्ट देवी का स्वरूप मानकर पूजन

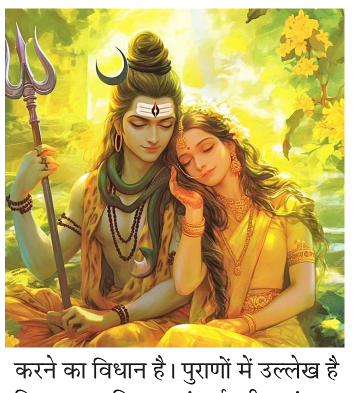

करने का विधान है। पुराणों में उल्लेख है कि भगवान शिव का 'अर्धनारीश्वर' रूप यह संदेश देता है कि सृष्टि और साधना में स्त्री और पुरुष दोनों का तत्व समान रूप से विद्यमान है। धर्मशास्त्रों में मां को प्रथम गुरु माना गया है। किसी भी बालक के जीवन में धर्म और नैतिकता के बीज बोने का कार्य महिला ही करती है। पूजा में महिलाओं की अनिवार्यता उनके भीतर निहित 'सृजन शक्ति' के कारण भी है। जिस प्रकार प्रकृति (स्त्री तत्व) के बिना पुरुष कुछ भी सृजन नहीं कर सकता, उसी प्रकार आध्यात्मिक सृजन के लिए भी स्त्री की पवित्रता और श्रद्धा अनिवार्य है। पूजा में प्रयुक्त होने वाली सामग्री जैसे जल, पुष्प और नैवेद्य को अर्पित करने की जो कोमलता और भावुकता एक महिला में होती है, वह साधना को यांत्रिक होने से बचाती है और उसे 'भाव' प्रदान करती है। भारतीय समाज में व्रत, त्योहार और उपवासों की रक्षा मुख्य रूप से महिलाओं ने ही की है। करवा चौथ, अहोई अष्टमी, वट सावित्री और छठ जैसे कठिन व्रत इस बात के प्रमाण हैं कि महिलाओं की संकल्प शक्ति परिवार की सुरक्षा और समृद्धि का आधार है। शास्त्रों के अनुसार, महिला के द्वारा किए गए पुण्य कर्मों का फल पूरे परिवार को प्राप्त होता है। उनकी पूजा में समर्पण और निस्वार्थ भाव अधिक होता है, जो ईश्वर तक पहुंचने का सबसे सुगम मार्ग है। भक्ति काल के संतों ने भी स्वीकार किया है कि भक्ति का मार्ग 'स्त्री सुलभ' भाव (प्रेम और समर्पण) से ही प्रशस्त होता है। अंततः, धर्मशास्त्र महिलाओं को केवल घर की शोभा नहीं, बल्कि धर्म की रक्षा करने वाली 'धर्माचारिणी' मानते हैं। चाहे वह संध्या वंदन हो, पितृ कार्य हो या महायज्ञ, महिला की उपस्थिति उस स्थान की ऊर्जा को सकारात्मक और पवित्र बनाती है। पूजा और साधना में उनकी अनिवार्यता सिद्ध करती है कि अध्यात्म कोई शुष्क मार्ग नहीं, बल्कि प्रेम, करुणा और सृजन का संगम है, जिसकी अधिष्ठात्री नारी ही है। बिना नारी शक्ति के संसार और साधना, दोनों ही अपूर्ण और निष्प्राण हैं।

अपने विचार

BJP ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को ईंट-ईंट करके खत्म करना और भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने को तार-तार करना अपनी ज़िंदगी का मकसद बना लिया है। ₹एक देश, एक आदमी, एक पार्टी₹ ही इनका फासीवादी सपना है।

ममता बनर्जी
सीएम, पश्चिम बंगाल

फिल्में, टेलीविजन और मीडिया को तेजी से हथियार बनाया जा रहा है।'इसे ठीक इसी उद्देश्य से इस्तेमाल किया जा रहा है। लोगों को बदनाम करने, उन्हें खत्म करने और समाज में विभाजन पैदा करने के लिए, ताकि कुछ लोग फायदा उठाएं और बाकी को नुकसान हो।

राहुल गांधी
नेता विपक्ष

भाजपा के कारनामों से पूरा देश कराह रहा है, भष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए है। माहौल हमारे पक्ष में है, इसलिए इस सरकार को मिलकर हटाना है। यूपी में बजट को सरकार के लोग मिलकर लूट रहे है बजट का मात्र 40 प्रतिशत ही खर्च हो रहा है। 2024 की तरह मेहनत करके हराना होगा, माहौल हमारे पक्ष में है ।

शिवपाल यादव
राष्ट्रीय महासचिव, सपा

वे यहाँ फ्लीट रिव्यू में भाग लेने आ रहे थे, लेकिन घटनाओं के कारण गलत समय में फँस गए। ऐसे में जब जहाज ने मदद माँगी और वह भी कठिनाई में था, तो हमारे लिए मानवीय दृष्टिकोण से मदद करना सही था। इसलिए हमने यही फैसला लिया और मुझे लगता है कि हमने सही काम किया।

एस. जयशंकर
विदेश मंत्री, भारत सरकार

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिदार).

ब्रीफ न्यूज़

निःशुल्क संस्कृत सिखा रही हैं अपर्णा पुराणिक

डोंबिवली। महिला दिवस के अवसर पर ठाणे जिले के डोंबिवली की सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक अपर्णा सतीश पुराणिक समाज के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं। जलगांव जिले के चालीसगांव में जन्मी और पली-बढ़ी श्रीमती पुराणिक ने पंजाब नेशनल बैंक में 38 वर्षों तक सेवा देते हुए प्रबंधक पद तक जिम्मेदारी निभाई। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने समाज के प्रति अपने दायित्व को नई दिशा देते हुए संस्कृत शिक्षा के प्रसार का कार्य शुरू किया। वर्तमान में पुराणिक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से सभी आयु वर्ग के लोगों को निःशुल्क संस्कृत शिक्षा दे रही हैं। उनके संरचित पाठ और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से विद्यार्थी, पेशेवर और गृहिणियाँ संस्कृत भाषा और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समझ रहे हैं। उनका मानना है कि संस्कृत सीखकर लोग अपनी जड़ों, शास्त्रों और जीवन मूल्यों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। उनकी इस पहल से अनेक लोग लाभान्वित हो रहे हैं और ज्ञान प्राप्ति में आर्थिक बाधा भी समाप्त हो रही है।

पंत जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

नवी मुंबई। नवी मुंबई के वाशी स्थित उत्तराखंड भवन में भारतरत्न पंडित गोविंद वल्लभ पंत की 65वीं पुण्यतिथि पर उत्तराखंड समाज द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न गणमान्य लोगों ने पंत जी के योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में डीपीएस फाउंडेशन के प्रमुख प्रवीण चंद ठाकुर, कौथिग परिवार के प्रमुख मनोज भट्ट, वरिष्ठ समाजसेविका मीनाक्षी भट्ट, लोकगायक सुरेश काला, नवी मुंबई भाजपा के पी डी पांडेय, पनवेल भाजपा के नेता एवं समाजसेवी सुशील कुमार जोशी, स्वतंत्र जनसमाचार के कार्यकारी संपादक राकेश खंकरियाल निर्मोही, विनोद भट्ट, उत्तराखंड भवन के अधिकारी राजीव पोखरियाल, नेगी और धपोला सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मध्य रेल ने रेल वीरांगनाओं को किया सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर मध्य रेल ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली अपनी महिला कर्मचारियों का सम्मान किया। इन महिलाओं ने समर्पण, धैर्य और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए कई बाधाओं को पार किया है और दूसरों के लिए प्रेरणा बनी हैं। मध्य रेल में वर्तमान में 8197 महिला कर्मचारी कार्यरत हैं। ये महिलाएँ लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, ट्रेन मैनेजर, सिग्नल तकनीशियन, वेल्डर, टीटीई, आरपीएफ कर्मी, पॉइंट्समैन और टिकट जांच जैसे चुनौतीपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी निभा रही हैं।

तकनीकी क्षेत्र में योगदान

माटुंगा वर्कशॉप में पूजा सिंह, स्वप्नाली थोरात, राजुबाई तालेकर, रंजना वायले और मीनाक्षी सरकनिया वेल्डर के रूप में कार्यरत हैं। वहीं सारिका शेंडे और कविता मयेकर सिग्नल तकनीकी कार्यों में अपनी दक्षता दिखा रही हैं। दादर की गीता नागवेकर और माटुंगा की रुपाली खरे पॉइंट्समैन के रूप में कार्यरत हैं। उद्घोषक सुषमा होडेकर यात्रियों को जानकारी देती हैं, जबकि सोनम विश्वकर्मा और नाजनीन कुरैशी आरपीएफ में सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

ट्रेन मैनेजर की नई मिसाल, वंदे भारत में महिला टीटीई

पनवेल की ट्रेन मैनेजर (गुड्स) प्रियंका मुदलियार रेलवे परिवार की तीसरी पीढ़ी से जुड़ी हैं। वे मानती हैं कि रेलवे में महिलाओं को योग्यता के आधार पर समान अवसर मिलते हैं। सारिका ओझा, वर्षा तायडे और मनीषा राहुलराम वंदे भारत एक्सप्रेस में टीटीई के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा सुजाता कलगांवकर और लता भगत टिकट इंस्पेक्टर होने के साथ-साथ मध्य रेल की खिलाड़ी भी हैं।

स्टेशन प्रबंधन में नेतृत्व, लोको पायलट के रूप में पहचान

मुलुंड स्टेशन की स्टेशन मैनेजर ममता कुलकर्णी मध्य रेल की पहली महिला स्टेशन मैनेजर हैं। वहीं माटुंगा स्टेशन की स्टेशन मैनेजर सारिका सावंत ऐसे स्टेशन का संचालन करती हैं, जिसे पूरी तरह महिला स्टाफ द्वारा संचालित किए जाने के कारण लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। कल्याण की लोको पायलट (गुड्स) अनुपमा पाटील महिला लोको पायलटों का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाकर पुरुष प्रधान क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है।

विद्युत सुरक्षा सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

टोरेंट पावर लिमिटेड द्वारा विद्युत सुरक्षा सप्ताह उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस दौरान कर्मचारियों के बीच विद्युत सुरक्षा और सुरक्षित कार्य प्रणाली को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्युत वितरण क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता को मजबूत करना और कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना था।

सुरक्षा को कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाने पर जोर

कार्यक्रम में ठाणे-2 के विद्युत निरीक्षक राजेश यादव ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्युत सुरक्षा केवल नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे हर कर्मचारी की दैनिक कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाना जरूरी है। उन्होंने कंपनी द्वारा कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम और सेफ्टी गैलरी जैसे उपक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास कार्यस्थल पर जिम्मेदार व्यवहार और सुरक्षा जागरूकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सुरक्षा नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक

सहायक विद्युत निरीक्षक अर्जुन जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि विद्युत अधिनियम 2003 तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा) विनियम 2023 के तहत निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कर्मचारियों को समझाया कि मरम्मत या रखरखाव कार्य से पहले विद्युत आपूर्ति को बंद कर उचित रूप से आइसोलेट करना, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (PPE) जैसे इन्सुलेटेड दस्ताने, हेलमेट और सेफ्टी शूज का उपयोग करना तथा लॉकआउट-टैगआउट (LOTO) प्रक्रिया का पालन करना विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक है। विद्युत निरीक्षकों ने बताया कि अधिकांश विद्युत दुर्घटनाओं को जागरूकता, अनुशासन और सुरक्षा नियमों के सख्त पालन से रोका जा सकता है। टोरेंट पावर के जनरल मैनेजर राणे और कुलकर्णी ने अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कंपनी में सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

आनंद नगर में धर्मवीर आनंद दिघे चौक का लोकार्पण

ठाणे। आनंद नगर क्षेत्र में मनपा द्वारा विकसित धर्मवीर आनंद दिघे चौक के सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस चौक का लोकार्पण परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के हाथों हुआ, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने की और उप महापौर कृष्णा पाटिल भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, उप अभियंता सुदर्शन मोरे, कार्यकारी अभियंता संजय कदम सहित मनपा के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। आनंद नगर के ग्रैंड स्क्वायर सोसायटी के पास स्थित इस चौक का सौंदर्यीकरण परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अवधारणा के आधार पर किया गया है, जहां बीच में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित की गई है, जिससे क्षेत्र की सुंदरता बढ़ी है और यह स्थान नागरिकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

'वनतारा' केंद्र में 50 तेंदुए भेजेगा महाराष्ट्र

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने पड़ोसी राज्य गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के 'वनतारा वन्यजीव बचाव और संरक्षण केंद्र' में 50 तेंदुओं को भेजने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य के वन मंत्री गणेश नाईक के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी साझा की है। सूत्रों के अनुसार, वन मंत्री और वनतारा प्रबंधन के बीच हुई उच्च स्तरीय चर्चा के बाद इस स्थानांतरण प्रक्रिया पर सहमति बनी है।

मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने की दिशा में बड़ा कदम

वन विभाग के इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य तेंदुओं के संरक्षण प्रयासों को सुदृढ़ करना और महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते मानव-तेंदुआ संघर्ष को नियंत्रित करना है। गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर और दिसंबर के दौरान राज्य में तेंदुए के हमलों की कई दुखद घटनाएँ सामने आई थीं। इन चुनौतियों को देखते हुए, तेंदुओं को एक सुरक्षित और उन्नत संरक्षण केंद्र में भेजने का फैसला लिया गया है ताकि स्थानीय निवासियों की सुरक्षा और वन्यजीवों का बेहतर रख-रखाव सुनिश्चित हो सके।

महिला दिवस पर टीएमसी में रंगोली और मेंहदी प्रतियोगिता

महिला कर्मचारियों ने दिखाया रचनात्मक उत्साह

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को ठाणे महानगरपालिका मुख्यालय में महिला कर्मचारियों के लिए रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन शर्मिला पिंपोलकर ने किया। इस दौरान उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी महिला कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि रोजमर्रा के कार्यों के साथ ऐसी सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी उत्साह और ऊर्जा बढ़ाती है।

विभिन्न विभागों की महिलाओं ने लिया भाग

कार्यक्रम में उपायुक्त अनघा कदम, डॉ. मिताली संचेती, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान, पर्सनल ऑफिसर दयानंद गुंडप, डिप्टी पब्लिक रिलेशन ऑफिसर प्राची डिंगांकर सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे। नगर निगम के अलग-अलग विभागों की महिला कर्मचारियों ने प्रतियोगिता में उत्साह के साथ भाग लिया और महिला सशक्तिकरण, सामाजिक संदेश तथा पारंपरिक कला पर आधारित आकर्षक रंगोलियां बनाईं।

मेहंदी प्रतियोगिता को भी मिला अच्छा प्रतिसाद

मेहंदी प्रतियोगिता को भी महिला कर्मचारियों से अच्छा प्रतिसाद मिला। प्रतिभागियों ने सुंदर और आकर्षक डिजाइनों के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही स्कूल नंबर 44 में आयोजित निबंध प्रतियोगिता को भी कर्मचारियों से अच्छा प्रतिसाद मिला, जिससे महिला दिवस का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

महिला दिवस पर डीआरएच भुसावल में स्वास्थ्य जांच शिविर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को मंडलीय रेलवे अस्पताल (डीआरएच), भुसावल में महिला लाभार्थियों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल और अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शिवकुमार सी.ई. की उपस्थिति रही। इस दौरान अधिकारियों और अस्पताल के कर्मचारियों ने महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमारियों की समय पर पहचान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के महत्व के बारे में जागरूक किया।

100 महिलाओं ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

शिविर में कुल 100 महिला लाभार्थियों ने भाग लेकर उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में डॉ. रेश्मी जी., डॉ. स्नेहा माटे, डॉ. सयाली राजेंद्र पवार, एनओ कमल अत्राम, एनओ सुवर्णा एस. कांबले और डायटीशियन शायजा जमाल ने सक्रिय रूप से सेवाएं दीं। इसके अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपा रत्नानी ने महिलाओं को स्त्री रोग संबंधी समस्याओं, उनके निवारण, मासिक धर्म स्वच्छता और बेहतर जीवनशैली के बारे में विस्तार से जानकारी और परामर्श प्रदान किया।

स्वास्थ्य जांच के साथ जागरूकता कार्यक्रम

शिविर के दौरान सामान्य स्वास्थ्य जांच, चिकित्सा परामर्श, रक्तचाप और बॉडी मास इंडेक्स (BMI) की जांच, प्राथमिक प्रयोगशाला परीक्षण और पोषण संबंधी परामर्श की सुविधा दी गई। साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को पानी की बोतलें और आवश्यक वस्तुएं भी वितरित की गईं। उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ यह शिविर सफल रहा।

गाय आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए डाक विभाग और जीसीसीआई के बीच एमओयू

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

डाक विभाग (महाराष्ट्र सर्कल) और ग्लोबल कॉन्फेडरेशन ऑफ काउ-बेस्ड इंडस्ट्रीज (GCCI) गाय से बने उत्पादों को देश और दुनिया के बाजार तक पहुंचाने के लिए एक रणनीतिक समझौता (एमओयू) करेंगे। इस साझेदारी का उद्देश्य GCCI से जुड़े गाय आधारित उद्यमियों और नवाचारकर्ताओं को मजबूत लॉजिस्टिक्स और रिटेल समर्थन प्रदान करना है। GCCI से जुड़े उद्योग दूध, गोबर और गोमूत्र से बने 300 से अधिक उत्पादों का निर्माण कर रहे हैं, जो एक उभरते हुए क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

लॉजिस्टिक्स और रिटेल नेटवर्क से मिलेगा विस्तार

इस सहयोग के तहत डाक विभाग प्रमुख लॉजिस्टिक्स पार्टनर के रूप में कार्य करेगा और स्पीड पोस्ट, इंडिया पोस्ट पार्सल तथा लॉजिस्टिक्स पोस्ट सेवाओं के माध्यम से गाय आधारित उत्पादों की देश और विदेश में डोरस्टेप डिलीवरी सुनिश्चित करेगा। साथ ही महाराष्ट्र के कुछ चयनित डाकघरों में रिटेल पोस्ट सेवा के जरिए इन उत्पादों के प्रदर्शन और प्रचार की भी योजना है, जिससे बाजार में उनकी पहुंच और पहचान बढ़ सकेगी। एमओयू हस्ताक्षर समारोह में महाराष्ट्र सरकार की पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री पंकजा गोपीनाथ मुंडे, महाराष्ट्र सर्कल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह और GCCI के चेयरमैन व डायरेक्टर डॉ. वल्लभभाई कथीरिया उपस्थित रहेंगे।

छत्रपति शिवाजी महाराज सुशासन अभियान के तहत राजस्व शिविर

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'छत्रपति शिवाजी महाराज सुशासन अभियान' के तहत 7 मार्च को विशेष राजस्व और भूमि अभिलेख शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन विधायक संजय केलकर ने किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की पहल से प्रशासन अधिक जनकेंद्रित हो गया है और महाभूमि पोर्टल जैसी ऑनलाइन सुविधाओं के कारण लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर कम लगाने पड़ रहे हैं।

नागरिकों को मिली जमीन और दस्तावेज़ संबंधी जानकारी

शिविर के दौरान नागरिकों को जमीन के सर्वे, नक्शों की उपलब्धता, लंबित फेरफार प्रकरण, 7/12 उतारा और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कई लोगों ने मौके पर ही अपनी लंबित शिकायतों के लिए आवेदन किया, जिस पर अधिकारियों ने तकनीकी मार्गदर्शन देकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

वृष व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। धैर्य रखें। शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी।

कर्क शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

सिंह किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे।

कन्या प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

तुला पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें।

वृश्चिक स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

धनु घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

मकर सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी।

कुंभ आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें।

मीन आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन प्राप्त हो सकता है। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

षष्ठ, अष्टम और द्वादश भाव में बृहस्पति की गूढ़ यात्रा

प्रियंका जैन
97699 94439

वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति को देवताओं का गुरु कहा गया है। यह ग्रह केवल ज्ञान, धर्म और नैतिकता का प्रतीक ही नहीं बल्कि जीवन की कठिन परिस्थितियों में मार्गदर्शक प्रकाश भी है। जब यह विशाल ग्रह जन्मकुंडली के त्रिक भावों—षष्ठ, अष्टम और द्वादश—में स्थित होता है, तो पहली दृष्टि में यह स्थिति चुनौतीपूर्ण प्रतीत होती है। लेकिन गहराई से देखने पर यही स्थान व्यक्ति को ऐसी आध्यात्मिक शक्ति और मानसिक परिपक्वता प्रदान करते हैं जो साधारण परिस्थितियों में संभव नहीं होती। इन भावों में स्थित गुरु जीवन के संघर्षों को केवल कष्ट नहीं रहने देता, बल्कि उन्हें आत्म-विकास और आंतरिक शक्ति का माध्यम बना देता है।

जब बृहस्पति छठे भाव में स्थित होता है, तो व्यक्ति के जीवन में संघर्ष, प्रतिस्पर्धा और जिम्मेदारियों की संख्या बढ़ जाती है। यह भाव शत्रु, रोग और ऋण से जुड़ा माना जाता है, लेकिन यहां गुरु का प्रभाव इन परिस्थितियों को विनाशकारी नहीं बनने देता। ऐसे जातक अक्सर अपने विरोधियों को भी संवाद और समझदारी के माध्यम से मित्र बना लेते हैं। उनके व्यक्तित्व में एक प्रकार की नैतिक दृढ़ता और न्यायप्रियता होती है, जिसके कारण वे समाज में मध्यस्थ, सलाहकार या संरक्षक की भूमिका निभाते दिखाई देते हैं। कई बार ऐसे लोग न्यायपालिका, बैंकिंग, प्रशासन या सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करते हैं।

शारीरिक दृष्टि से भी इस स्थिति का विशेष प्रभाव देखा जाता है। बृहस्पति शरीर के चयापचय तंत्र, यकृत और वसा संतुलन से जुड़ा माना जाता है। छठे भाव में इसकी उपस्थिति व्यक्ति के शरीर में ऊर्जा के विस्तार और पाचन क्रिया पर प्रभाव डाल सकती है। यदि जीवन में अनुशासन की कमी हो तो मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल या फैटी लिवर जैसी समस्याएँ धीरे-धीरे उभर सकती हैं। किंतु जब व्यक्ति नियमित व्यायाम, संयमित भोजन और आध्यात्मिक साधना को अपनाता है, तो यही ग्रह उसे आश्चर्यजनक रूप से रोगों से उबरने की शक्ति भी देता है। कई बार जीवन के सबसे कठिन संकटों के समय कोई गुरु, मार्गदर्शक या शुभचिंतक अचानक सहायता के लिए सामने आ जाता है, जिसे लोग ईश्वरीय संरक्षण के रूप में अनुभव करते हैं।

अष्टम भाव में स्थित बृहस्पति की प्रकृति और भी रहस्यमयी मानी जाती है। यह भाव आयु, परिवर्तन, गूढ़ रहस्य और जीवन के गहरे दार्शनिक प्रश्नों से जुड़ा है। यहाँ गुरु व्यक्ति के भीतर एक ऐसी जिज्ञासा उत्पन्न करता है जो सामान्य ज्ञान से संतुष्ट नहीं होती। ऐसे लोग अक्सर जीवन के रहस्यों को समझने के लिए ज्योतिष, दर्शन, मनोविज्ञान, शोध या तांत्रिक विद्याओं की ओर आकर्षित होते हैं। उनके भीतर गहन चिंतन और सत्य की खोज की तीव्र इच्छा होती है।

इस स्थिति का एक अद्भुत पहलू दीर्घायु और मानसिक दृढ़ता से भी जुड़ा हुआ माना जाता है। कई अनुभवी और ज्योतिषीय अवलोकनों में यह देखा गया है कि अष्टम भाव में स्थित गुरु व्यक्ति को संकटों से पुनः उठ खड़े होने की अद्भुत क्षमता देता है। जीवन में अचानक परिवर्तन, आर्थिक उतार-चढ़ाव या पारिवारिक संकट अवश्य आते हैं, लेकिन समय के साथ वही घटनाएँ उनके लिए अनुभव और ज्ञान का स्रोत बन जाती हैं। कुछ मामलों में बीमा, वसीयत या अप्रत्याशित स्रोतों से धन लाभ भी संभव होता है।

UPSC: UP का शानदार प्रदर्शन, भदोही, जौनपुर समेत कई जिलों के प्रतियोगियों ने बनाई जगह

टॉप 10 में शामली की आस्था जैन

एजेंसी । लखनऊ

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम में उत्तर प्रदेश के अनेक अभ्यर्थियों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में उम्मीदवारों ने अखिल भारतीय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया है।

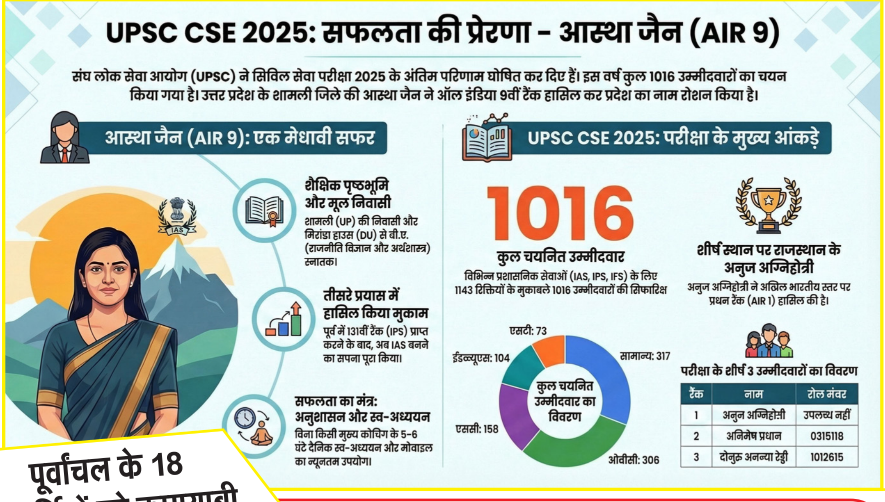

सुरभि 14वें और उत्कर्ष 32वें स्थान पर

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शामली जिले के कांधला की आस्था जैन ने ऑल इंडिया रैंक 9 प्राप्त कर प्रदेश में प्रमुख स्थान हासिल किया। उन्हें यह सफलता तीसरे प्रयास में मिली। अमरोहा की सुरभि यादव ने 14वीं रैंक हासिल की, जबकि फिरोजाबाद के शिकोहाबाद निवासी उत्कर्ष को 32वीं रैंक प्राप्त हुई। अलीगढ़ के प्रतीक ने 54वीं रैंक हासिल की।

आजमगढ़ के भाई-बहन को भी सफलता

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के असद अकोल ने 321वीं और अजीम अहमद ने 588वीं रैंक हासिल की। वहीं पूर्वांचल क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन देखने को मिला। बलिया की मोनिका श्रीवास्तव ने 16वीं रैंक प्राप्त की, जबकि भदोही की इकरा को 24वीं रैंक मिली। आजमगढ़ के आदित्य हृदय उपाध्याय ने 154वीं और उनकी बहन आयुषी उपाध्याय ने 361वीं रैंक हासिल की।

पूर्वांचल के 18 अभ्यर्थियों को कामयाबी

पूर्वांचल के बलिया, भदोही, आजमगढ़, जौनपुर, गाजीपुर और सोनभद्र जिलों के कुल 18 अभ्यर्थियों ने इस परीक्षा में सफलता पाई है। फतेहपुर की शांभवी को 46वीं और मिनहाज शकील को 513वीं रैंक मिली। कानपुर के गौरव ओझा ने 204वीं तथा अनूप कुमार ने 716वीं रैंक प्राप्त की। मुरादाबाद के सृजित कुमार को 84वीं और देवांश गुप्ता को 77वीं रैंक मिली।

अवध क्षेत्र से निकले प्रतिभाशाली

इसके अतिरिक्त प्रयागराज के प्रखर ने 787वीं, झांसी की आयुषी ने 914वीं, बलिया की निवेदिता ने 855वीं, ललितपुर की अदिति सिंह ने 859वीं और आगरा की तनिषा ने 930वीं रैंक प्राप्त कर सूची में स्थान बनाया। अवध क्षेत्र में भी कई अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की। लखनऊ में रहकर तैयारी करने वाले विमल कुमार ने ऑल इंडिया 107वीं रैंक प्राप्त की। अलीगंज निवासी आदर्श पांडेय को 347वीं रैंक मिली। इसके अलावा वनज विद्यान ने 278वीं और पीयूष कपूर ने 402वीं रैंक हासिल की।

बुंदेलखंड और पश्चिम के होनहारों का जलवा

शामली की काजल चौहान को 403वीं रैंक मिली। बुंदेलखंड और आसपास के जिलों से भी कई अभ्यर्थियों ने सफलता पाई। हमीरपुर के डॉ. यशवर्धन सिंह को 212वीं, एटा के आयुष को 143वीं और प्रवीन यादव को 582वीं रैंक मिली। सहारनपुर के ऋषभ जैन ने 163वीं, अखिल कुमार सैन ने 518वीं तथा मनोज कुमार ने 628वीं रैंक प्राप्त की।

2023 में आदित्य ने किया था टॉप

विभिन्न सामाजिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि से आने वाले इन अभ्यर्थियों की सफलता राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणा मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्षों में भी उत्तर प्रदेश के कई उम्मीदवारों ने सिविल सेवा परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। वर्ष 2023 में लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव ने अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

मार्च के पहले हफ्ते में ही 30+ हुआ मैदानों का तापमान

▸▸ नौ मार्च से मौसम में बदलाव के संकेत, आज लू की संभावना

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में मार्च के पहले सप्ताह में ही तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के कई क्षेत्रों में दिन और रात दोनों समय तापमान सामान्य से अधिक रहने के कारण गर्मी का असर महसूस किया जा रहा है। मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 8 मार्च को प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में लू चलने की आशंका जताई है।

पर्वतीय क्षेत्रों में भी सामान्य से अधिक पारा

उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में भी तापमान सामान्य से अधिक रहा। कल्पा में 5.6 डिग्री, केलांग में 3.8 डिग्री और मनाली में 9.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कुकुमसेरी में 2.4 डिग्री और ताबो में 1.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा कसौली में न्यूनतम तापमान 14.7 डिग्री, जुब्बरहट्टी में 15.2 डिग्री, देहरा गोपीपुर में 17 डिग्री और पांवटा साहिब में 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटे तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में गर्मी का असर बना रह सकता है। हालांकि 9 मार्च से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के साथ बादल छाने और तापमान में गिरावट आने की संभावना है।

मैदानी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ा तापमान

मैदानी क्षेत्रों में तापमान में अधिक वृद्धि देखी गई है। ऊना में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस, नाहन में 12.6 डिग्री और पालमपुर में 14 डिग्री दर्ज किया गया। कांगड़ा में 16.1 डिग्री, मंडी में 13.7 डिग्री तथा बिलासपुर में 13.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

दूसरे सप्ताह में बारिश, बर्फबारी की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 9 मार्च से प्रदेश के मौसम में परिवर्तन होने की संभावना है। 9 से 13 मार्च के बीच कई स्थानों पर बादल छाए रह सकते हैं, जबकि कुछ क्षेत्रों में वर्षा और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना जताई गई है। विभाग ने 11 मार्च के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए अंधड़ और बिजली चमकने की चेतावनी दी है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राजधानी शिमला में अधिकतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग 6.1 डिग्री अधिक है। सुंदरनगर में 13.6 डिग्री, भुंतर में 10.8 डिग्री और धर्मशाला में 11.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

19 मार्च को राम जन्मभूमि आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

▸▸ श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में करेंगी रामलला के दर्शन

एजेंसी । अयोध्या

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च को अयोध्या पहुंचकर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान रामलला के दर्शन और पूजन करेंगी। इस संबंध में मंदिर परिसर में आयोजित भवन निर्माण समिति की बैठक में उनके प्रस्तावित दौरे और कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को मीडिया को बताया कि राष्ट्रपति का कार्यक्रम भारतीय नवसंवत्सर के अवसर पर निर्धारित किया गया है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति लगभग सुबह 11 बजे मंदिर परिसर पहुंचेंगी और रामलला के दर्शन-पूजन के बाद करीब चार घंटे तक अयोध्या में रहेंगी। इस दौरान वे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान सुरक्षा कारणों से आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन अस्थायी रूप से बंद रहेंगे। कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर की सुरक्षा, व्यवस्थाओं और आवागमन की योजना पर विशेष तैयारी की जा रही है।

सूर्य तिलक की पारंपरिक व्यवस्था

निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी देते हुए मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर का अधिकांश निर्माण पूरा हो चुका है। अब केवल हुतात्मा स्मारक और अस्थायी मंदिर से संबंधित कुछ निर्माण कार्य शेष हैं। उन्होंने यह भी बताया कि रामलला के सूर्य तिलक की पारंपरिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए Central Building Research Institute तथा ऑप्टिका कंपनी के साथ 10 वर्ष का अनुबंध किया गया है। निर्माण समिति के अनुसार राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बाद मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं को श्रद्धालुओं के लिए पूर्ण रूप से खोला जाएगा। इसके बाद प्रतिदिन लगभग पांच हजार श्रद्धालुओं को पास व्यवस्था के माध्यम से परकोटा क्षेत्र सहित परिसर के विभिन्न मंदिरों के दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

खाड़ी देशों में फंसे जौनपुर के 23 कामगार

परिजनों ने सकुशल वापसी के लिए जिला प्रशासन से लगाई गुहार

एजेंसी । जौनपुर

पश्चिम एशिया में बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच खाड़ी देशों में रह रहे जौनपुर के नागरिकों की सुरक्षित वापसी को लेकर उनके परिजनों ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। इस संबंध में परिवारों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर केंद्र और राज्य सरकार के माध्यम से उन्हें भारत वापस लाने की व्यवस्था करने की अपील की है।

25 भारतीयों के फंसे होने की सूचना

अपर जिलाधिकारी परमानंद झा ने शनिवार को बताया कि अब तक कुल 25 भारतीयों की जानकारी प्रशासन के पास पहुंची है, जिनमें से 23 जौनपुर जिले के निवासी हैं, जबकि दो अन्य पड़ोसी जिलों से संबंधित हैं। संबंधित दो व्यक्तियों के बारे में उनके जिलों के प्रशासन को अवगत करा दिया गया है।

24 घंटे सक्रिय है कंट्रोल रूम

जिला प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किया है, जहां तीन शिफ्टों में कर्मचारियों की तैनाती की गई है। यह नियंत्रण कक्ष खाड़ी देशों में मौजूद उन लोगों का विवरण संकलित कर रहा है, जो वर्तमान परिस्थितियों के कारण स्वदेश लौटना चाहते हैं।

केंद्र सरकार को भेजी जा रही जानकारी

उन्होंने बताया कि एकत्रित की जा रही सभी सूचनाएं राज्य सरकार और उच्च स्तर के अधिकारियों को भेजी जा रही हैं, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। प्रशासन का कहना है कि केंद्र और राज्य स्तर पर समन्वय के माध्यम से प्रभावित भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य के हेलीकाप्टर की आपात लैंडिंग

▸▸ केबिन में भर गया था धुआं, अमौसी एयरपोर्ट पर उतारा गया

▸▸ लखनऊ से गृहनगर कौशांबी जा रहे थे केशवप्रसाद मौर्य

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को ले जा रहे हेलीकॉप्टर की शनिवार को तकनीकी खराबी के चलते लखनऊ के अमौसी स्थित एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। घटना के समय वह लखनऊ से कौशांबी के लिए रवाना हुए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर ने ला मार्टिनियर ग्राउंड से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान केबिन में धुआं दिखाई देने और तकनीकी समस्या का संकेत मिलने पर पायलट ने सतर्कता बरतते हुए तत्काल अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई। इस दौरान हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे। उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया कि सुरक्षित लैंडिंग के बाद केशव प्रसाद मौर्य को दूसरे हेलीकॉप्टर से कौशांबी भेजने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी की जांच भी शुरू कर दी गई है।

व्यापार जगत

Hurun Global Rich List 2026: भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़कर 308 हुई

अरबपतियों वाला देश भारत, सेंटर मुंबई

▸▸ वैश्विक रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा देश

▸▸ बीते वर्ष की तुलना में 24 अरबपति बढ़े

नई दिल्ली। तेजी से बढ़ती आर्थिक गतिविधियों और उद्यमिता के विस्तार के बीच भारत में अरबपतियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल ही में जारी Hurun Global Rich List 2026 के अनुसार देश में अब कुल 308 अरबपति हो गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 24 अधिक हैं। इस बढ़ोतरी के साथ भारत अरबपतियों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

एक साल में दस फीसदी बढ़ी संपत्ति

Hurun Research Institute की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले एक वर्ष में उनकी संयुक्त संपत्ति लगभग 10 प्रतिशत बढ़कर 112.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इस अवधि में 199 अरबपतियों की संपत्ति में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि 109 की संपत्ति में गिरावट या स्थिरता रही। कुल अरबपतियों में लगभग सात प्रतिशत महिलाएं हैं।

57 बिलेनियर जुड़े, 27 हुए बाहर

इस सूची में भारत से आगे केवल United States और China हैं। रिपोर्ट के अनुसार बीते एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति सूची में शामिल हुए, जो अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी वृद्धि है। हालांकि इसी अवधि में 27 लोग विभिन्न कारणों से सूची से बाहर भी हो गए।

एशिया में शीर्ष पर अंबानी और अडानी

Mukesh Ambani एक बार फिर भारत और एशिया के सबसे धनी व्यक्ति बने हुए हैं। उनकी कुल संपत्ति लगभग 9.8 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 9 प्रतिशत अधिक है। दूसरे स्थान पर Gautam Adani हैं। हालांकि उनकी संपत्ति में लगभग 14 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है और अब उनकी कुल संपत्ति करीब 7.5 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है।

तीसरे स्थान पर Roshni Nadar Malhotra हैं, जिनकी संपत्ति लगभग 3.2 लाख करोड़ रुपये बताई गई है। वह भारत के शीर्ष 10 सबसे अमीर व्यक्तियों में शामिल एकमात्र महिला हैं।

संपत्ति बढ़ाने में साइरस पूनावाला शीर्ष पर

पुणे स्थित Serum Institute of India के संस्थापक और चेयरमैन Cyrus S Poonawalla इस वर्ष संपत्ति में वृद्धि के मामले में सबसे आगे रहे। उनकी संपत्ति में एक वर्ष के दौरान लगभग 0.91 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई।

LPG: घरेलू 60 रुपये, कमर्शियल सिलेंडर 100 रुपये महंगा

▸▸ व्यावसायिक सिलेंडर 2000 रुपये के पार, घरेलू गैस में 11 माह बाद हुआ बदलाव

नई दिल्ली। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में ताजा बढ़ोतरी के बाद घरेलू और व्यावसायिक दोनों श्रेणियों में उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। शनिवार से लागू नई दरों के अनुसार घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 60 रुपये की वृद्धि की गई है, जबकि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 100 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ताजा बढ़ोतरी के साथ व्यावसायिक उपयोग में आने वाला 19 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर लगभग तीन वर्षों के बाद 2000 रुपये के स्तर को पार कर गया है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में करीब 11 महीने बाद संशोधन किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं पर प्रत्यक्ष असर पड़ा है।

अप्रैल 2025 के बाद पहली बढ़ोत्तरी

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में अप्रैल 2025 के बाद यह पहली वृद्धि है। खास बात यह है कि पिछले लगभग छह वर्षों में घरेलू सिलेंडर के दाम में 50 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी बहुत कम देखने को मिली थी। इस बार 60 रुपये की बढ़ोतरी हाल के वर्षों में सबसे अधिक मानी जा रही है। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। खास तौर पर Strait of Hormuz क्षेत्र में उत्पन्न अनिश्चितता के चलते ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है, जिसका असर वैश्विक बाजार में गैस की कीमतों पर भी पड़ा है। विश्लेषकों का कहना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जारी रहता है तो आने वाले समय में एलपीजी की कीमतों में और वृद्धि संभव है। ऐसी स्थिति में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतें भी निकट भविष्य में 1000 रुपये के स्तर को पार कर सकती हैं।

रूसी तेल प्रतिबंधों में ढील संभव, US ने दिए संकेत

वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच अमेरिका ने संकेत दिया है कि वैश्विक स्तर पर तेल की आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए रूसी कच्चे तेल पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों में आंशिक ढील दी जा सकती है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि आवश्यकता पड़ने पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, ताकि बाजार में आपूर्ति बाधित न हो और कीमतों में अत्यधिक उछाल को रोका जा सके। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव Scott Bessent ने एक साक्षात्कार में कहा कि सहयोगी देशों की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हाल ही में कुछ निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि भारत को उस रूसी कच्चे तेल की खेप खरीदने की अनुमति दी गई है जो पहले से समुद्र में मौजूद है और प्रतिबंधों के कारण जिसकी खरीद अटकी हुई थी। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य वैश्विक बाजार में संभावित आपूर्ति संकट को टालना है। उनके अनुसार समुद्र में बड़ी मात्रा में रूसी कच्चा तेल मौजूद है, जिस पर विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लागू हैं। यदि इन प्रतिबंधों में ढील दी जाती है तो बाजार में अतिरिक्त आपूर्ति तेजी से उपलब्ध हो सकती है।

नियंत्रण के लिए स्थिरता जरूरी

विशेष रूप से Strait of Hormuz के आसपास बढ़ते जोखिम के कारण कई तेल टैंकर इस मार्ग से गुजरने में सतर्कता बरत रहे हैं। ऊर्जा क्षेत्र के विश्लेषकों का मानना है कि यदि क्षेत्रीय संघर्ष लंबा खिंचता है तो कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर भी जा सकती है। ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी प्रशासन ने जहाजों के लिए बीमा सुरक्षा से जुड़ी एक नई योजना पर भी विचार किया है। इसके तहत US International Development Finance Corporation के माध्यम से जहाजों के लिए पुनर्बीमा (रीइंश्योरेंस) कार्यक्रम लागू किया जा सकता है। प्रस्तावित योजना के तहत लगभग 20 अरब डॉलर तक के संभावित नुकसान को कवर करने की व्यवस्था की जा सकती है, ताकि जहाजों का आवागमन सुरक्षित रह सके।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं

इस बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की जा रही है। वैश्विक मानक Brent crude की कीमत शुक्रवार को 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई। विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के कारण बाजार में अस्थिरता बढ़ी है।

नए सप्ताह बाजार में दस्तक देंगे कई IPO

▸▸ निवेश के लिए चार नए इश्यू खुलेंगे

नई दिल्ली। आगामी सप्ताह में प्राथमिक शेयर बाजार में गतिविधियां तेज रहने की संभावना है। निवेशकों के लिए कई नए सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुलने जा रहे हैं, जिनमें मेनबोर्ड और एसएमई दोनों श्रेणियों की कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियों के आईपीओ की शेयर बाजार में लिस्टिंग भी प्रस्तावित है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अगले सप्ताह चार नए आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे, जबकि चार कंपनियों के शेयर विभिन्न एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। मेनबोर्ड श्रेणी में राजपूताना स्टेनलेस स्टील और इनोविजन के आईपीओ निवेश के लिए खुले रहेंगे। इसके साथ ही Rajmarg Infra Investment Trust का इन्विट इश्यू भी बाजार में आएगा, जबकि एसएमई सेगमेंट में Epsys Aerocom का आईपीओ पेश किया जाएगा। इन सभी निर्गमों के माध्यम से कंपनियां बाजार से पूंजी जुटाने की योजना बना रही हैं।

इनोविजन का आईपीओ

Innovision का आईपीओ 10 मार्च से 12 मार्च तक खुला रहेगा। यह लगभग 323 करोड़ रुपये का बुक-बिल्ट सार्वजनिक निर्गम है, जिसमें 0.47 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू तथा 0.12 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। इस इश्यू के लिए प्राइस बैंड 521 से 548 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इसी क्रम में Rajmarg Infra Investment Trust का इन्विट इश्यू 11 मार्च से 13 मार्च तक खुला रहेगा। लगभग 6,000 करोड़ रुपये के इस बुक-बिल्ट इश्यू में पूरी तरह 60 करोड़ यूनिट का फ्रेश इश्यू शामिल है। इसके लिए प्रति यूनिट मूल्य दायरा 99 से 100 रुपये निर्धारित किया गया है।

राजपूताना स्टेनलेस स्टील

Rajputana Stainless का आईपीओ 9 मार्च को खुलकर 11 मार्च तक निवेश के लिए उपलब्ध रहेगा। यह लगभग 254.98 करोड़ रुपये का बुक-बिल्ट इश्यू है, जिसमें 1.47 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू और 0.63 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल शामिल है। इस आईपीओ के लिए प्रति शेयर मूल्य दायरा 116 से 122 रुपये निर्धारित किया गया है।

दोनों टीमों में से विजय किसी की भी हो, बनेगा इतिहास

आज फिर जीत लो जहां

भारतीय टीम और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में होगा फाइनल

एजेंसी । अहमदाबाद

टीम इंडिया लगातार दूसरी बार टी-20 विश्व कप की ट्रॉफी उठाने से सिर्फ एक जीत दूर है। दुनिया के सबसे बड़े नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को फाइनल में भारत के सामने न्यूजीलैंड की कठिन चुनौती होगी। दोनों टीमों में से ट्रॉफी कोई भी जीते इतिहास बनना तय है। भारत खिताब का बचाव करने और तीन बार चैंपियन बनने वाला पहला देश बनेगा तो न्यूजीलैंड की टीम पहली बार विश्व विजेता बनेगी।सूर्यकुमार एक कुशल बल्लेबाज और चतुर कप्तान के रूप में अपनी खुद की विरासत बनाने के लिए उत्सुक होंगे। साथ ही नवंबर 2023 में इसी मैदान पर वनडे विश्व कप के फाइनल में मिले जख्मों पर भी मरहम लगाने की कोशिश करेंगे। टीम ठीक 364 दिन पहले नौ मार्च 2025 को चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड की इसी टीम के खिलाफ मिली जीत से प्रेरणा लेने की भी कोशिश करेंगे। भले ही वह टूर्नामेंट 50 ओवर का था। सूर्यकुमार उस टीम का हिस्सा नहीं थे, लेकिन दुबई में मिली उस एकतरफा जीत से उन्हें हौसला मिल सकता है।

किस्मत का भी चाहिए साथ

फाइनल जीतने के लिए साहस के अलावा किस्मत का साथ भी जरूरी होता है। खेल एकदम 'परफेक्ट' होना जरूरी नहीं है, लेकिन सही समय पर सही चीजें होनी चाहिए। सेमीफाइनल में भारत की जीत तब लगभग तय हो गई थी जब ब्रूक ने सैमसन का कैच छोड़ दिया था। भारतीय टीम न्यूजीलैंड की ऐसी किसी भी गलती का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। भारत को अब तक टूर्नामेंट में किस्मत का साथ मिला है। अगर वह चैंपियन बनता है तो उन्हें सराहना मिलेगी लेकिन अगर हारता है तो फिर बवाल मच सकता है।

आमने-सामने

कुल मैच	: 30
भारत जीता	: 18
न्यूजीलैंड	: 11
टाई	: 1

बुमराह के चार ओवर डालेंगे असर

बुमराह को छोड़कर भारतीय गेंदबाज अब तक इतने सफल नहीं रहे हैं। न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा 'अहमदाबाद का सरदार' यानी बुमराह होंगे। उनके चार ओवर एक बार फिर दोनों टीमों के बीच निर्णायक साबित हो सकते हैं। इंग्लैंड को सेमीफाइनल में इसका कड़वा अनुभव हुआ था। उन्हें ज्यादातर विपक्षी टीम की पारी के आखिर में इस्तेमाल किया जाता रहा है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह सेमीफाइनल में 33 गेंदों में 100 रन बनाने वाले एलन के खिलाफ गेंदबाजी की शुरुआत करेंगे या नहीं। अर्शदीप या हार्दिक की नई गेंद की लेंथ शायद बल्लेबाजी के लिए अधिक अनुकूल साबित हो सकती है। ऐसे में बुमराह को शुरू में गेंदबाजी के लिए बुलाना सही फैसला होगा क्योंकि वह दोनों तरफ स्विंग करा सकते हैं। अभिषेक अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उनको अंतिम एकादश में बनाए रखने पर सवाल उठ रहे हैं। उनकी तकनीकी खामियां उजागर हो गई हैं। अगर वह फाइनल खेलते हैं तो ऑफ-स्पिनर कोल मैककांकी को शुरू में ही गेंदबाजी के लिए बुलाया जा सकता है। अभिषेक के पास यह आखिरी मौका होगा। उन्हें शानदार फार्म में चल रहे संजू सैमसन के साथ मिलकर टीम को ठोस शुरुआत दिलानी होगी। ईशान को भी बड़ी पारी खेलनी होगी।

भारत पहली टीम

भारत चार बार टी-20 विश्व कप का फाइनल खेलने वाली पहली टीम बनेगी। टीम इससे पहले 2007 और 2024 में चैंपियन बनी थी जबकि 2014 में उपविजेता रही। इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान ने तीन-तीन बार फाइनल खेले हैं।

नंबर गेम

10 मैच भारत ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले हैं जिसमें से सात जीते और तीन हारे हैं

76 रन से हार मिली थी भारत को यहां दक्षिण अफ्रीका से सुपर आठ के पिछले मुकाबले में

3 साल बाद दोनों टीमें यहां खेलेंगी। भारत ने 2023 में खेले गए पिछले और एकमात्र मैच में न्यूजीलैंड को 168 रन से धोया था

2 मैच न्यूजीलैंड ने यहां खेले हैं दोनों में हार मिली है। दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप चरण में उसे सात विकेट से हराया था

सूर्य का बल्ला भी नहीं चल रहा

सूर्यकुमार ने पिछले दो साल में टीम का बहुत अच्छी तरह से नेतृत्व किया है। भले ही एक बल्लेबाज के रूप में वह उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाए हैं। उनके करियर के लिए यह मैच निर्णायक साबित होगा। अगर उनकी टीम खुशगवार मौसम में अच्छा प्रदर्शन करती है तो उनकी सारी नाकामियां पल भर में भुला दी जाएंगी।

चक्रवर्ती को दिखाना होगा दम

पिछले कुछ मैचों से फिरकी से बल्लेबाजों को परेशान करने में असफल रहने वाले चक्रवर्ती को भी दम दिखाना होगा। उन्हें न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाजों के सामने संघर्ष करना पड़ सकता है। अभी तक टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच खेलने वाले कुलदीप उनकी जगह पर अच्छे विकल्प हो सकते हैं। दुबे भी गेंद से प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं।

फिन-साइफर्ट से बचकर रहना होगा

भारत को शानदार फॉर्म में चल रहे फिन और साइफर्ट की सलामी जोड़ी से बचकर रहना होगा। इन दोनों के अलावा लॉकी फर्ग्यूसन या मैट हेनरी जैसे खिलाड़ी अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करना जानते हैं। सेंटनर या फिलिप्स भी जानते हैं कि एक मजबूत टीम के खिलाफ किस तरह से चुनौती का सामना करना होता है। रचिन टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं।

क्या इस बार थमेगा न्यूजीलैंड का विजयरथ

भारतीय टीम विश्व कप में न्यूजीलैंड को एक बार भी हरा नहीं पाई है। दोनों ने अब तक तीन मुकाबले खेले हैं सभी में कीवियों ने भारत टीम इंडिया का मात दी है। यह तीनों मुकाबले ग्रुप चरण में हुए। पहली बार दोनों टीमें नॉकआउट में एक दूसरे से टकराएंगी।पांच साल बाद टक्कर : दोनों टीमें पांच साल बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भिड़ेंगी। पिछली बार 2021 में दुबई में खेली थी जिसमें केन विलियम्सन की टीम ने कोहली की सेना को आठ विकेट से पराजित किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

घुड़दौड़ : फोर्थ विंग के लिए राह कठिन

मुंबई। मुंबई घुड़दौड़ सत्र के 15वें दिन कुल सात दौड़ों का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। द्वितीय श्रेणी की एस पद्मनाभन कप में सात घोड़े हिस्सा ले रहे हैं। उभरते हुए प्रशिक्षक अमन हुसेन द्वारा प्रशिक्षित फोर्थ विंग के लिए जीत के अवसर हैं, लेकिन अन्य प्रतिद्वंदियों की क्षमताओं को कम करके नहीं आंका जा सकता है। पहली दौड़ शाम 4.30 बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार हैः 1- फोर्थ विंग (प्र.), बिशप (द्वि.), 2- सेनेका (प्र.), डॉन हुलियो (द्वि.), 3- जय्यान (प्र.), लॉयन हॉर्ट (द्वि.), 4- लकी डॉयमंड (प्र.), स्टारिया (द्वि.), 5- हैवेन्स रिदम (प्र.), चेलसी (द्वि.), 6- गोल्डन हैमर (प्र.), गोल्डन हॉर्ट (द्वि.), 7- इंटरसेन्पटर (प्र.), मार्कस (द्वि.), दिन का सर्वोत्तमः जय्यान।

सिद्धार्थ टेम्बे विजयी

मुंबई। सिद्धार्थ टेम्बे ने जीत ठाकुर को 32-62, 60-32, 62-10, 40-75, 61-18 से पराजित करके क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया स्थित विल्सन जोन्स बिलियर्ड्स हॉल में खेले जा रहे सीसीआई स्नूकर क्लासिक 2026 प्रतियोगिता के पहले दौर के मुकाबले में जीत दर्ज की। पहले दौर के अन्य मैचों में सागर जैन ने नवीन शंकरनारायण को 53-21, 61-28, 59-39 से, रोहित खटावकर ने मझ़रअली रुवाला को 46-71, 51-27, 56-20, 54-48 से और सेल्वेल सैमुअल ने विजय लिलवा को 55-11, 43-51, 66-43, 31-58, 74-32 से हराया।

रूसी ध्वज की वापसी के साथ शीतकालीन पैरालंपिक खेल शुरू

वेरोना। मिलान कोर्टिना शीतकालीन पैरालिंपिक खेल शुक्रवार को शुरू हो गए। हालांकि इसमें कुछ देशों ने वैश्विक खेल मंच पर रूसी ध्वज की वापसी के कारण उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। मार्च पास्ट में रूसी ध्वज की वापसी हुई। यह शोची में 2014 के शीतकालीन खेलों के बाद पहला अवसर है जबकि पैरालंपिक खेलों में रूस का ध्वज फहराया गया। इससे लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों से पहले रूस की ओलंपिक जगत में पूर्ण वापसी की संभावना बढ़ गई है।

दिव्यांश और ख्याति 10 मीटर एयर राइफल में शीर्ष पर

एजेंसी । नई दिल्ली

निशानेबाजी राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स 3 (ग्रुप ए) में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में टोक्यो ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार ने पुरुष फाइनल में 252.5 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके बाद पार्थ राकेश माने 251.5 के स्कोर के साथ दूसरे और शाहू तुषार माने 230.9 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इसी बीच, ओलंपियन अनीश भानवाला ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में फाइनल में 33 के स्कोर के साथ दबदबा बनाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। राजकंवर सिंह संधू दूसरे और भावेश शेखावत ने विजयवीर सिद्धू के साथ शूट-ऑफ जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। महिला फाइनल में शीर्ष स्थान का फैसला रोमांचक शूट-ऑफ में हुआ। ख्याति चौधरी और माहित संधू ने 24 शॉट पूरे होने के बाद समान 251.4 का स्कोर बनाया। शूट-ऑफ में ख्याति ने 10.9 का स्कोर कर माहित को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि माहित ने 10.2 अंक हासिल किए।

प्रणवी ऑस्ट्रेलिया क्लासिक गोल्फ में पांचवें स्थान पर

एजेंसी । मजेंटा शोर्स

भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स (70) ऑस्ट्रेलिया वुमेंस क्लासिक के तीसरे दौर में 17वें होल पर डबल बोगी करने के बावजूद शीर्ष-पांच में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहीं। प्रणवी ने शनिवार को तीसरे दौर में 70 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर आठ अंडर (72-66-70) का है।

मार्टन ने मुसेटी को अपसेट किया, सबालेंका भी जीतीं

एजेंसी । इंडियन वेल्स

हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स ने बीएनपी परिबास ओपन में इटली के पांचवें वरीय लोरेंजो मुसेटी को 7-5, 6-1 से हराकर बड़ी उलटफेर किया। यह फुकसोविक्स की शीर्ष पांच खिलाड़ियों के खिलाफ दूसरी जीत है; उन्होंने इससे पहले 2020 में डेनियल मेदवेदेव को हराया था। अब फुकसोविक्स का सामना फ्रांस के आर्थर फिल्स से होगा, जो टूर्नामेंट में उनके अगले चुनौती बनेंगे। महिला वर्ग में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने जापान की हिमेनो सकात्सुमे को 6-4, 6-2 से मात देकर तीसरे दौर में जगह बनाई। इसके साथ ही अन्य प्रमुख वरीय महिला खिलाड़ी भी अगले दौर में प्रवेश कर चुकी हैं।

बॉलीवुड

बॉलीवुड में वापसी को तैयार नयनतारा

शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' से बॉलीवुड में तहलका मचाने वाली साउथ की 'लेडी सुपरस्टार' नयनतारा एक बार फिर हिंदी सिनेमा के पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, नयनतारा ने अपना अगला बड़ा बॉलीवुड प्रोजेक्ट लगभग फाइनल कर लिया है। 'जवान' में उनके दमदार 'नर्मदा' वाले अवतार को दर्शकों ने खूब सराहा था, जिसके बाद से ही उनके हिंदी फिल्मों में वापसी का इंतजार किया जा रहा था, जो अब खत्म होने वाला है। 'फोरेंसिक' बनाने वालों के साथ बड़े बॉलीवुड प्रोजेक्ट की तैयारी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक , नयनतारा मुंबई के मशहूर प्रोडक्शन हाउस 'मिनी फिल्म्स' के साथ एक बड़े बॉलीवुड प्रोजेक्ट के लिए बातचीत कर रही हैं। ये प्रोडक्शन हाउस 'फोरेंसिक' और 'आंखों की गुस्ताखियां' जैसी लीक से हटकर और बेहतरीन कंटेंट वाली फिल्मों के लिए जाना जाता है। सूत्रों का कहना है कि इस प्रोडक्शन कंपनी के निर्माता अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए कुछ बहुत बड़ा करने की तैयारी में हैं, जिसमें नयनतारा एक दमदार भूमिका में नजर आ सकती हैं। नयनतारा जल्द ही पैन-इंडिया फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नजर आएंगी। इसमें 'KGF' स्टार यश के साथ कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया जैसी अभिनेत्रियां भी शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता गीतू मोहनदास कर रही हैं। ये फिल्म 4 जून, 2026 को रिलीज होने वाली है। इसे कन्नड़ और अंग्रेजी में एक साथ शूट किया गया है। ये फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम भाषा में डब होकर रिलीज होगी।

रैपर बादशाह ने विवादों के बीच मांगी माफी

मशहूर रैपर बादशाह अपने नए गाने 'टटीरी' को लेकर विवादों में हैं। गाने के बोल पर मचे भारी बवाल और सोशल मीडिया पर मिल रही आलोचनाओं के बाद बादशाह ने एक भावुक वीडियो जारी कर सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। उन्होंने हाथ जोड़कर अपील की है कि उन्हें हरियाणा का बेटा समझकर माफ कर दिया जाए। बादशाह का कहना है कि उनका मकसद किसी की भावनाओं या संस्कृति को ठेस पहुंचाना नहीं था। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में बादशाह ने सीधे दर्शकों को संबोधित करते हुए अपने गाने से पहुंची ठेस को स्वीकार किया। वो बोले, ₹मेरे नए गाने 'टटीरी' के बोल और दृश्यों के जरिए जो संदेश गयाd, उससे कई लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, खासकर मेरे अपने हरियाणवी समुदाय को। मैं खुद हरियाणा से हूं। जो लोग मुझे जानते हैं, वो अच्छी तरह जानते हैं कि मेरी भाषा, खान-पान, रहन-सहन और पहचान पूरी तरह हरियाणवी है।₹ बादशाह ने आगे कहा, ₹मुझे हरियाणवी होने पर गर्व है। मेरा इरादा हरियाणा के किसी भी बच्चे या महिला के बारे में कुछ भी अपमानजनक कहने का कभी नहीं था।₹ रैपर ने पुष्टि कर बताया कि वो इस ट्रैक को सभी प्लेटफॉर्म से हटा रहे हैं। बादशाह बोले, ₹ये गाना हर जगह से हटाया जा रहा है।₹ लोगों से माफी मांगते हुए उन्होंने भावुक अपील की और कहा, ₹आप हरियाणा का बेटा समझकर माफ कर दें ।

'भागम भाग 2' में मीनाक्षी चौधरी की एंट्री पक्की

साउथ फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी अब बॉलीवुड में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि वो अक्षय कुमार की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म के सीक्वल 'भागम भाग 2' के जरिए हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत करेंगी। मीनाक्षी ने इसे अपने करियर का एक बड़ा मोड़ बताते हुए कहा कि अक्षय जैसे सुपरस्टार के साथ काम करने का अवसर उन्हें बिल्कुल सही समय पर मिला है। मीनाक्षी ने आगे कहा, ₹इससे पहले कई प्रोजेक्ट्स मेरे पास आए थे, उनकी कहानियों में मेरी उतनी दिलचस्पी नहीं थी, लेकिन जब 'भागम भाग 2' मेरे पास आई तो इसमें सिर्फ और सिर्फ हंसी और मनोरंजन का एहसास हुआ।

थलापति विजय पर पत्नी संगीता का आरोप

साउथ के सुपरस्टार थलापति विजय और उनकी पत्नी संगीता सोर्णलिंगम के बीच चल रहे तलाक के विवाद ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संगीता ने चेंगलपट्टू जिला अदालत का दरवाजा खटखटाया है, जहां उन्होंने अपने वैवाहिक घर में रहने के अधिकार को सुरक्षित करने के लिए अंतरिम आदेश की मांग की है। प्रशंसक हैरान हैं कि क्या विजय-संगीता का दशकों पुराना रिश्ता वाकई अब कोर्ट की दहलीज पर खत्म होने जा रहा है। विजय और उनकी सह-कलाकार तृषा कृष्णन के साथ हाल ही में हुई उनकी मुलाकातों और चर्चाओं के बीच विजय की पत्नी संगीता की एक नई याचिका सामने आई है। संगीता ने अपनी याचिका में कोर्ट से एक अंतरिम आदेश की मांग की है, ताकि वोअपने वैवाहिक घर में रहने के अपने अधिकार को सुरक्षित कर सकें। उन्हें डर है कि कानूनी कार्यवाही के दौरान उन्हें घर से बेदखल किया जा सकता है। कोर्ट में दाखिल याचिका में संगीता ने बताया है कि वो ब्रिटेन की नागरिक हैं और भारत में उनका अपना कोई घर नहीं है। इसी आधार पर उन्होंने अपने वैवाहिक घर में रहने के अधिकार की मांग की है या फिर इसके विकल्प के तौर पर किसी अन्य आवास की व्यवस्था करने को कहा है।

DBD
दो बजे दोपहर
मुंबई
रविवार, 8 मार्च 2026

अपराजिता

उन्मुक्त उड़ान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

8 मार्च

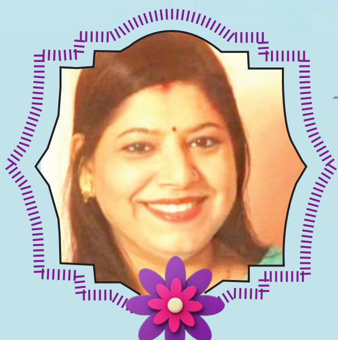

आभा बोधिसत्व

अनेक पत्र-पत्रिकाओं में कविताएँ प्रकाशित। सिनेमा, टीवी धारावाहिकों तथा रेडियो के लिए भी लेखन। मुंबई में निवास

महिला यानि महाशक्तिशाली अथवा जननी, माता, मतलब महिला संबोधन वह स्त्री हो या औरत, वही शक्ति स्वरूपा सृष्टि के संरचना की मुख्य आधार है। एक ओर स्त्री के लिए इतने महान विचार, तो दूसरी ओर यह तक कहा गया कि स्त्री नरक की द्वार है, जो सिर्फ बच्चे पैदा करने की मशीन है, संभोग की वस्तु है। स्त्री, जिसे ज्ञान ध्यान का अधिकार नहीं था!

महिला तुम संघर्ष करो

पुरुष तुम्हारे साथ हैं

महिला यानि महाशक्तिशाली अथवा जननी, माता, मतलब महिला संबोधन वह स्त्री हो या औरत, वही शक्ति स्वरूपा सृष्टि के संरचना की मुख्य आधार है। एक ओर स्त्री के लिए इतने महान विचार, तो दूसरी ओर यह तक कहा गया कि स्त्री नरक की द्वार है, जो सिर्फ बच्चे पैदा करने की मशीन है, संभोग की वस्तु है। स्त्री, जिसे ज्ञान ध्यान का अधिकार नहीं था! वहीं आप सोचिए और समझिए कि उसके बिना सृष्टि की उत्पत्ति संभव नहीं और दूसरी ओर उसे ज्ञान लेने का अधिकार नहीं, यह कैसा विरोधाभास ? पुरुष सत्ता की यह सोच कि वह बच्चे पैदा करे और घर-परिवार संभाले। दूसरी ओर एक शिक्षित पुरुष विनोबा भावे जैसे समाजसेवी कहते हैं कि स्त्री को स्वतंत्र होना चाहिए, वासना के बहाव में नहीं बहना चाहिए ! वे कहते है स्त्री बगावत करेगी तभी वैराग्य की मूर्ति होगी अपने अधिकारों और स्वतंत्रता और अस्तित्व को समझेगी। गे बढ़ते हुए महिलाओं ने अपने सबसे महत्वपूर्ण अधिकार यानि वोट के अधिकार के लिए इन देशों जैसे इंग्लैंड, स्विट्जरलैंड, पाकिस्तान में अपने इस अधिकार को उन्होंने लड़ कर पाया या लिया। आधी आबादी जब 50 प्रतिशत के अधिकार के लिए जन्म लेती है तो उसे इससे वंचित क्यों रहना पड़े। सच्चाई तो यह भी है कि स्त्री ममता की मूरत है, वह प्रेम स्नेह और परिवार को एक सूत्र में पिरो कर रखने के गुण जानती है, दुनिया भर का यदि न भी कहा जाए तो भारतीय समाज में स्त्री-महिला-औरत ने अपने इस दायित्व को बखूबी निभाया है! लेकिन मुश्किल यह कि अधिकतर पुरुष समाज स्त्री को अब भी गृहस्थी के भीतर ही खपा देना चाहता है। क्या इस आधार पर देश का विकास संभव है? नहीं। इसलिए आज स्वयं ही स्त्री चहुमुखी विकास की ओर उन्मुख है। खुशी की बात इतनी ही है कि यहाँ भी दस प्रतिशत ही सही, पुरुष स्त्री का हाथ थामता है और इस सहयोग भावना के साथ गृहस्थी के अतिरिक्त स्वयं को भी महिला शक्ति इस योग्य बनाती है ताकि अबला नारी नहीं बल्कि सबला की गणना के अंतर्गत उसे शामिल किया जाए। स्त्री अब यह जानने लगी है कि जहाँ चाह है वहाँ रहा है। इस तरह वह अगली पीढ़ी को भी योग्य बनाने में अपनी भूमिका निभाती है। यानि आज स्त्री अभिभावक के रूप में भी जागरूक है। 1980 के पहले तक स्त्री सत्ता को यह अधिकार नहीं था कि वह सामाजिक निर्णयों और अपने ही बच्चों के भविष्य के लिए निर्णय ले सके ! यह अधिकार पिता और पुरुष लेता था। क्या यह उचित था? नहीं। जबकि इससे पहले वैदिक काल में स्त्रियाँ शास्त्रार्थ करती थीं जिसका उदाहरण अपाला, गार्गी, मैत्रेयी आदि विदुषी स्त्रियाँ हैं जिन्होंने पुरुषों-ऋषियों - याज्ञवल्क्य आदि से शास्त्रार्थ किया। इतना ही नहीं बुद्ध के समय में भी साहस दिखाते हुए घर गृहस्थी का मोह त्याग भिक्खुनी बन संघ में शामिल हुई स्त्रियाँ।

इसके बाद हम फिर पीछे गए अवनति की ओर जहां महिलाएँ सिर्फ भोग्या समझी जाने लगीं। यहाँ ब्राह्मण समाज और पुरोहितों ने दासी के तरह भोग्या समझा, हमारा पुरुष प्रधान समाज यही कर सकता था कि वह स्त्री का उद्धारक बने और उसे अपने निर्णय को आधार बना कर उसे अधिकार दे ! अबला का स्वरूप भी ब्राह्मणों और पुरोहित की देन है, जहां स्त्री महिला, पुरुष के वश में रहे, और वे पुरुष हुए पिता, भाई, पति और अंत में पुत्र। इस पुरुष प्रधान समाज द्वारा यह नियम बनाया गया कि पुत्री का विवाह बारह बरस की उम्र तक कर दिया जाए। लेकिन संतोष प्रद बात यह कि हर युग में स्त्री की रक्षा के लिए पुरुष का जन्म हुआ है। जैसे द्वापर में द्रौपदी की रक्षा के लिये कृष्ण! उसी तरह राजा राम मोहन राय ने स्त्रियों के साथ हो रहे सामाजिक अत्याचार और बुराइयों को दूर करने के लिए ब्रह्म समाज की स्थापना 1828 में की, जहां बाल विवाह और सती प्रथा का बहिष्कार किया गया, समाज में स्त्री- महिला को भी पुरुषों के बराबर का अधिकार मिले, उनके भी अस्तित्व की रक्षा हो। इस तरह बिना सहयोग के एक स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं।

लेकिन आज की जागरूक औरत सशक्त महिला यह जान चुकी है कि किस तरह बराबरी से चलते हुए अपने अधिकारों को चुरा कर लेना है या सहज सहयोग भाव से, महिला सूझबूझ की मूर्ति है, संहारक भी है और संरक्षक भी । यहाँ सवाल यह है कि अगर हमे समाज की उन्नति चाहिए, यदि हमें परिवार की उन्नति चाहिए तो हमें आधी आबादी के अधिकारों को सहर्ष देना ही उचित होगा। लेकिन क्या हमारे पुरुष प्रधान समाज की मानसिकता इतनी विकसित हो पाई है कि वह स्त्री को सहज भाव से उसके अधिकारों को दे सके, बिना किसी मानसिक दबाव के?

जैसा कि फ्रेंच स्त्रीवादी, दार्शनिक सिमोन द बोवॉयर ने कहा था, कोई स्त्री जन्म से नहीं होती, बल्कि स्त्री बनती है। सचमुच स्त्री बनती है। सच भी है, वह अपने परिवेश और परेशानियों से सबक लेकर खुद को गढ़ती है! लेकिन मैं कहतीं हूँ कि औरतें खुद को स्थापित नहीं, बल्कि खत्म करतीं हैं धीरे धीरे .. लेकिन आज स्थिति उलट है । आज औरत खुद को स्थापित करने की हर जोखिम उठाती है,...

महिलाओं और हमारे विकासशील समाज में आज महिलाएँ मानवाधिकार मामलों में भी सक्रिय योगदान दे रही हैं। दुखद और चिंताजनक स्थिति यह कि अब भी यूपी, बिहार और राजस्थान के गाँवों में स्त्रियों की स्थिति दयनीय है। एक ओर स्त्री मंच हैं, बराबरी की बात है, तो दूसरी ओर घूँघट के घुटन में जीवन की सीमित चारदीवारी है। अब महिला दिवस बिल्कुल नज़दीक दस्तक दे रहा है तो दूसरी ओर ईरान में लड़कियों के स्कूल को टार्गेट करके इसराइल द्वारा बमबारी की गई जहाँ 160 लड़कियों ने अपनी जान गवाई, यह पूरी दुनिया की महिलाओं के लिए आज की तारीख़ 28/02/26 में सोचने वाली बात है, लेकिन पुरुषों के लिए शर्मनाक है, भले ही वे समझें न समझें इस नियत को, लेकिन दुख तो दुख है ही यह संसार रहने तक स्त्री को ही सहना है। दोयम दर्जे का मान कर उसे दुख देना। फिर भी यही कहूँगी कि - मानवता की हार में भी महिला ही पीसती है।

डॉ नीलम मलिक

पर्यावरण संरक्षण की समर्थक और शिक्षिका हैं। वे लोगों और युवाओं को जागरूक कर उनके साथ मिलकर जलवायु और प्रकृति बचाने के लिए काम करने की प्रेरणा देती हैं। ठाणे, महाराष्ट्र में निवास।

बरगद की जड़ें और महिलाओं की दूरदर्शिता

आज जब पूरी दुनिया 'क्लाइमेट चेंज' और 'सस्टेनेबिलिटी' (सतत विकास) जैसे भारी-भरकम शब्दों पर चर्चा कर रही है, तब मुझे अपने गांव की सरहद पर खड़ा वह पुराना बरगद याद आता है। वह पेड़ किसी सरकारी रिकॉर्ड में 'खास' नहीं था, लेकिन गांव का पूरा सामाजिक ढांचा उसी के इर्द-गिर्द बुना था। झगड़े उसकी छांव में सुलझते थे और महिलाएं कुएं से लौटकर उसकी जटाओं के पास सुस्ताती थीं। वह पेड़ बोलता नहीं था, पर वह गांव की 'स्मृति' (Memory) था। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो समझ आता है कि बरगद का वह अस्तित्व और हमारे घर की महिलाओं का संघर्ष एक जैसा है। दोनों ही 'प्रकृति' और 'भविष्य' के रक्षक हैं।

भारतीय संस्कृति में हमने प्रकृति को कभी 'संसाधन' नहीं माना। हमारे लिए पेड़ 'लकड़ी' नहीं, बल्कि पूजनीय हैं। 'वट सावित्री' जैसे व्रत सिर्फ धार्मिक कर्मकांड नहीं हैं, बल्कि वे एक गहरे पारिस्थितिक संदेश को संजोए हुए हैं। जब हम किसी वृक्ष को धागा बांधकर पूजते हैं, तो हम अनजाने में उसके संरक्षण की शपथ ले रहे होते हैं। हमारी देवियां—चाहे वह शक्ति हो, लक्ष्मी हो या सरस्वती—सृजन, संतुलन और विवेक का प्रतीक हैं। यही वो तीन स्तंभ हैं जिन पर पर्यावरण टिका है। एक पेड़ मिट्टी से उतना ही लेता है जितना उसे जीवित रहने के लिए चाहिए और बदले में फल, छाया और खाद देता है। महिलाएं भी इसी सिद्धांत पर चलती हैं। जिसे दुनिया 'किफायती होना' कहती है, असल में वह भविष्य की सुरक्षा है। दशकों पहले हिमालय की तलहटी में जब कुल्हाड़ियां चलीं, तो गांव की महिलाएं सबसे पहले पेड़ों से चिपक गईं। उन्हें किसी विश्वविद्यालय ने पर्यावरण विज्ञान नहीं सिखाया था। उन्हें बस यह पता था कि अगर पेड़ कटे, तो पानी सूख जाएगा और उनकी बेटियों का जीवन दूभर हो जाएगा।आज भी शहरों में कचरा प्रबंधन हो या मोहल्लों में पानी का संरक्षण, महिलाएं अक्सर अदृश्य रहकर बदलाव ला रही हैं। उनका नेतृत्व विज्ञापन या हेडलाइंस से नहीं, बल्कि 'जरूरत' से पैदा होता है। यदि हम वास्तव में एक सुरक्षित भविष्य चाहते हैं, तो हमें महिलाओं को सिर्फ (Architects) के तौर पर देखना होगा। सस्टेनेबिलिटी केवल तकनीक से नहीं आएगी, वह उस पुरानी समझ से आएगी जो महिलाएं सदियों से जी रही हैं। हमें उन्हें ज़मीन के अधिकार, वित्तीय निर्णय लेने की आज़ादी और नीति-निर्माण में बराबरी का स्थान देना होगा।

बरगद का पेड़ आसमान से होड़ नहीं करता, वह धीरे-धीरे अपनी जटाएं ज़मीन में फैलाता है और खुद को मज़बूत करता है। महिलाएं भी समाज की वही अदृश्य जड़ें हैं। जब तक ये जड़ें मज़बूत हैं, हमारा भविष्य सुरक्षित है। इस महिला दिवस पर, आइए उस 'बरगद जैसी शक्ति' को पहचानें जो शोर नहीं मचाती, पर हम सबको थामे हुए है। क्या आप भी अपने आसपास की महिलाओं में बरगद जैसी इस मूक शक्ति को महसूस करते हैं?

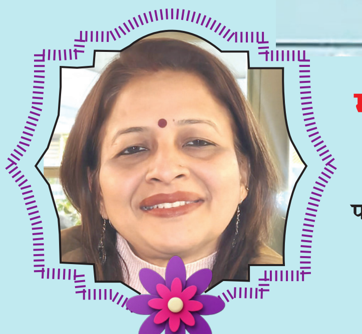

मोनिका मोहिनी

गृहिणी, संगीत, योग और बेकिंग करना पसंद है। निवासः नोएडा (उत्तर प्रदेश)

रमणी (नारी)

रश्क है, इश्क़ है, जज़्बात है; हर रमणी को अपने आप से मोहब्बत है। हो भी क्यों नहीं? स्वयं से इश्क़ का अर्थ है ईश्वर की बंदगी, क्योंकि यह ज़िंदगी खुद प्यार करने के लिए मिली है। पर क्या हम सच में अपने आप से प्यार कर पाते हैं? शायद नहीं। जिम्मेदारियां न जाने कब रमणी की इच्छाओं, सपनों और भावनाओं को दफन कर देती हैं। हम खुद को महत्व देना भूल जाते हैं और कहीं न कहीं अपनी पहचान खो देते हैं।

हमें लगता है कि परिवार खुश तो हम खुश, लेकिन आंखें तब खुलती हैं जब पता चलता है कि आपके किए हुए कार्यों का कोई मोल ही नहीं समझा गया। फिर शुरू होता है खुद से लड़ने का सफर। मन में सवाल उठता है कि अब तक क्या किया और अब आगे क्या करें? पर तभी कुछ ऐसे लोग मिलते हैं जो आपको खुद से रूबरू करवाते हैं और वहीं से होती है एक नई शुरुआत—खुद की तलाश। मैं यह नहीं कहती कि सफलता तुरंत मिलती है, पर कोशिश कभी असफल भी नहीं होती। मेरी भी यह एक छोटी सी कोशिश थी कुछ लिखने की, खुद से मिलने की। माना मंजिल दूर है पर सपने पूरे करने के लिए रास्ते खुले हैं। वक्त लगेगा, शायद थक भी जाऊं... पर कभी हार नहीं मानूंगी, बस यही खुद को समझाना है।

कविता

हर दिल का एक प्यारा सपना है,
उन सपनों में छुपा एक रंग है।
उन रंगों में जीवन की सच्चाई है,
और सच्चाई से जुड़ी कुछ उम्मीदें हैं।
उम्मीदें ही नए रास्ते बना देती हैं,
जीने की एक नई दिशा दे जाती हैं।
एक नई दिशा, एक नया सवेरा,
और वही सवेरा दे जाता है—
ढेर सारी हंसी, एक खूबसूरत सी हंसी।

ज्योति अग्रवाल

राज्य सेवा एवं केंद्रीय सेवा में कार्य करने का व्यापक अनुभव है। वर्तमान में अतिरिक्त आयुक्त, सीमा शुल्क, मुंबई के पद पर कार्यरत हैं।

थोड़ी हिम्मत करना

कुछ लोग तुम्हें समझाएंगे,
कभी उंगलियां भी उठाएंगे।
कभी किसी बात पर, कभी किसी आड़ में,
तुम्हें नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे।
कभी शर्म का एहसास दिलाएंगे,
कभी लज्जा का बोझ बढ़ाएंगे,
कभी अपराधबोध की दीवार खड़ी करेंगे।
पर इस बार हार मत मानना,
पर इस बार हार मत मानना।
न सिर्फ लोगों से,
बल्कि अपने ही मन से,
अपनी शंका से,
अपने भ्रम से ऊपर उठ जाना।
थोड़ी और हिम्मत करना,
जीतकर ही आना।

अपने ज्ञान से संवार रही हैं नये भारत की तस्वीर

आधुनिक भारत के निर्माण में महिलाओं का अतुलनीय योगदान रहा है। जीवन के हर क्षेत्र, चाहें वह अंतरिक्ष विज्ञान हो, चिकित्सा क्षेत्र हो या कोई अन्य क्षेत्र, देश की महिलाएं अपनी प्रतिभा के दम पर खुद की पहचान गढ़ रही हैं। आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। इस विशेष मौके पर पढ़ें उन चुनिंदा महिलाओं के बारे में, जिन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में अपना अद्भुत योगदान दिया है।

राव्या सरडाः बेखौफ सवालों की 'डेरिंगबाज़' आवाज़

भारत की प्रमुख महिला पॉडकास्टर्स में शुमार राव्या सरडा अपनी बेखौफ शैली और साहसी विषयों के लिए जानी जाती हैं। उन्हें अक्सर "डेरिंगबाज़" कहा जाता है, क्योंकि वे उन मुद्दों पर खुलकर बात करती हैं जिनसे लोग बचते हैं। अपने लोकप्रिय पॉडकास्ट "द राव्या सरडा शो" के माध्यम से वे भू-राजनीति, भारतीय संस्कृति, इतिहास और सामाजिक विषयों पर चर्चा करती हैं। राव्या एक उत्साही यात्री भी हैं और मंदिरों व ऐतिहासिक स्थलों की यात्राओं के जरिए भारत की सांस्कृतिक विरासत को लोगों तक पहुँचाती हैं। साथ ही वे फिटनेस को भी महत्व देती हैं और मानती हैं कि मानसिक व शारीरिक शक्ति महिलाओं को अपने सपने पूरा करने की ताकत देती है।

विद्या मोरेः ज्योतिष जो आपको अंधकार में मार्ग दिखाता है

विद्या मोरे का जन्म घाटकोपर में हुआ। होटल मैनेजमेंट करने के बाद उन्होंने एक पंचसितारा होटल में कार्य किया। तत्पश्चात उन्होंने UPSC परीक्षा की तैयारी भी की, परंतु उनका मन वहां नहीं रमा। अंतत: वे ज्योतिष शास्त्र की ओर बढ़ीं। जीवन की अनिश्चितताओं के बीच सही मार्गदर्शन एक जलते हुए दीपक के समान होता है। पिछले 10 वर्षों से ज्योतिष और अध्यात्म के क्षेत्र में समर्पित विद्या मोरे इसी अटूट विश्वास के साथ लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। उनके लिए ज्योतिष केवल ग्रहों की गणना नहीं, बल्कि ईश्वरीय संकेतों को समझने की एक गूढ़ कला है। विद्या का व्यक्तित्व साधना की प्रखरता और अनुभव की परिपक्वता का एक अनूठा संगम है। वे निरंतर तंत्र साधना का अभ्यास करती हैं, जो उन्हें समस्याओं की जड़ तक पहुँचने और सूक्ष्म ऊर्जाओं को संतुलित करने की शक्ति प्रदान करता है। AstroTalk जैसे प्रतिष्ठित मंच के माध्यम से अपनी सेवाएँ देते हुए, उन्होंने अब तक 15,000 से अधिक लोगों को जीवन के कठिन संघर्षों के बीच सही दिशा दिखाई है। उनका मार्गदर्शन केवल भविष्यवाणियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे व्यक्ति के भीतर छिपे आत्मविश्वास और सकारात्मकता को जागृत करने पर विशेष बल देती हैं।

मीनाक्षी यादवः 'रटने' के बजाय 'समझने' की संस्कृति से बदली शिक्षा की दिशा

मुंबई के पास डोंबिवली की निवासी उद्यमी मीनाक्षी यादव ने शिक्षा जगत में एक अनूठी मिसाल पेश की है। विवाह, मातृत्व और पारिवारिक उत्तरदायित्वों के कारण नौकरी छोड़ने के बावजूद उन्होंने अपनी सीखने-सिखाने की ललक को कम नहीं होने दिया। उन्होंने अपने घर से महज एक बच्चे को पढ़ाने से इस सफर की शुरुआत की थी, जो आज एक प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान का रूप ले चुका है। मीनाक्षी की शिक्षण पद्धति की सबसे बड़ी विशेषता 'रटने के बजाय समझने' पर बल देना है। शुरुआत में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और अभिभावकों के विरोध को भी झेलना पड़ा, लेकिन वे अपने सिद्धांतों पर अडिग रहीं। उनके इसी विजन का परिणाम है कि आज उनके संस्थान में प्रति वर्ष 200 से अधिक छात्र शिक्षा ग्रहण करते हैं। अब तक 1500 से अधिक बच्चों के जीवन को सही दिशा दे चुकीं मीनाक्षी यादव आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और महिला उद्यमिता का एक सशक्त प्रतीक बन चुकी हैं।

डॉ. श्वेता सिंगलः सुशासन की 'प्रशासनिक' कमान

सरकारी फाइलें जब जनहित का जरिया बन जाएं, तो समझिये कमान किसी विजनरी लीडर के हाथ में है। अमरावती संभाग की विभागीय आयुक्त डॉ. श्वेता सिंगल (आईएएस) आज इसी कार्यकुशलता का चेहरा बनी हुई हैं। एक सख्त लेकिन संवेदनशील प्रशासक के तौर पर उन्होंने शासन की योजनाओं को दफ्तरों से निकालकर सीधे आम जनता की चौखट तक पहुँचाया है। खेती-किसानी प्रधान इस क्षेत्र में डॉ. सिंगल ने सिंचाई और ग्रामीण विकास को अपनी प्राथमिकता बनाया है। वे केवल बैठकों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि जमीनी हकीकत और पारदर्शिता पर उनका जोर 'सुशासन' की नई मिसाल पेश कर रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के साथ-साथ, प्रशासन और जनता के बीच बढ़ता भरोसा उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। सादगी, ईमानदारी और विकास की दूरगामी सोच—यही डॉ. श्वेता सिंगल की कार्यशैली की असली पहचान है।

दिव्या हेगड़ेः ग्लोबल प्लेसमेंट और महिला सशक्तिकरण की मिसाल

मुंबई की दिव्या शरच्चंद्र हेगड़े अंतरराष्ट्रीय भर्ती के क्षेत्र में समानता और सशक्तिकरण की नई परिभाषा लिख रही हैं। वर्ष 2008 से 'रॉस वार्नर एचआर सॉल्यूशंस' से जुड़ीं दिव्या आज बतौर 'बिजनेस हेड' भारतीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर पहचान दिला रही हैं। अब तक उन्होंने 3,500 से अधिक ग्लोबल क्लाइंट्स को भारत की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। दिव्या का अनुभव भारत से लेकर अफ्रीका तक विस्तृत है, लेकिन उनका वास्तविक मिशन 'महिला सशक्तिकरण' है। एक ऐसी टीम का नेतृत्व करते हुए जिसमें अधिकांश महिलाएँ हैं, दिव्या का मानना है कि यदि एक महिला को सही अवसर मिले, तो वह कुछ भी असाधारण कर सकती है। उनके नेतृत्व में यह संस्थान सिर्फ एक रिक्रूटमेंट फर्म नहीं, बल्कि सपनों को साकार करने वाला एक सेतु बन गया है। अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए उम्मीदवारों को तैयार करना हो या ग्लोबल फाइनेंस की बारीकियों को समझना, दिव्या का 15 वर्षों का यह सफर साबित करता है कि जब महिलाएँ नेतृत्व करती हैं, तो दुनिया आगे बढ़ती है।

अनुपमा सिंहः रेल की पटरियों पर साहस और सशक्तिकरण की नई मिशाल

भारतीय रेलवे में तकनीकी और फील्ड कार्य को लंबे समय तक पुरुषों का क्षेत्र माना जाता रहा है, लेकिन अनुपमा सिंह ने इस धारणा को बदलने का काम किया है। मध्य रेलवे के कुर्ला विभाग में पहली महिला टावर वैगन मैकेनिक के रूप में वे कार्यरत हैं। उनका काम ओवरहेड वायर और विद्युत प्रणालियों की मरम्मत, पैंटोग्राफ का निरीक्षण और ऊँचाई पर जाकर तकनीकी खराबियों को ठीक करना है, जिससे लोकल ट्रेनों का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित होता है। अनुपमा सिंह का सफर केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल है, जो तकनीकी क्षेत्रों में आगे बढ़ने की चाह रखने वाली युवतियों के लिए मार्गदर्शन बन रहा है।